



दांतों में झनझनाहट? पायें ₹20 में सुरक्षा

नया पैक ₹20 ONLY

SENSODYNE

18g के लिए MRP ₹20*

केंद्रीय नेतृत्व का 'आशीष'

राष्ट्रीय मीडिया विभाग की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक पहुंचने वाले वे मप्र के पहले नेता

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय मीडिया सह संयोजक आशीष उषा अग्रवाल को करीब सवा महीने के भीतर ही राष्ट्रीय मीडिया विभाग का संयोजक बनाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मप्र में प्रदेश

खबर संक्षेप

राज रानी एक्स. की चपेट में आए पांच छात्र, 4 की मौत

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में बुधवार को राज रानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा टेककली मंडल के रिववलासा के पास हुआ। पुलिस के अनुसार सभी मृतक 20 वर्ष से कम उम्र के थे और डामरू गांव के रहने वाले थे।

रविवार को भी खुलेंगे सरकारी और ग्रामीण बैंक

नई दिल्ली। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए वित्त मंत्रालय ने ग्राहकों की सुविधा के लिए 27 सितंबर, रविवार को सभी सरकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खुले रखने का फैसला किया है। इस दिन बैंकों में कामकाज होगा। आरबीआई ने भी करंसी चेस्ट को चालू रखने की मंजूरी दी है।



भोपाल कोर्ट के बाहर वकीलों ने किया चक्काजाम, आसपास के रास्तों पर वाहनों की लंबी कतारें लगीं

एडवोकेट से मारपीट का मामला

टीआई और दोनों आरक्षकों पर मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने की जिद पर अड़े एडवोकेट

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

जहंगीराबाद थाने में एडवोकेट राकेश रावल से मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। देर रात जहंगीराबाद थाने का घेराव करने वाले वकील तड़के तीन बजे तक थाने के सामने डटे रहे। इस दौरान पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दोपहर में वकील इकट्ठा हुए और कोर्ट चौराहा पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम के बाद पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे आलाधिकारियों ने वकीलों को समझाझझा दी, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थे।

पुलिस के वाहनों की हवा निकाली

उन्होंने कोर्ट के गेट पर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। दोपहर में वकील इकट्ठा हुए और कोर्ट चौराहा पर चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम के बाद पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे आलाधिकारियों ने वकीलों को समझाझझा दी, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थे।

सवा महीने के अंदर राष्ट्रीय मीडिया विभाग की कमान आशीष उषा अग्रवाल को मिली

मीडिया प्रभारी की जवाबदारी संभाल चुके अग्रवाल पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तक पहुंचने वाले पहले नेता हैं। वे लगातार दो बार मप्र के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आशीष अग्रवाल संगठन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय, सहज व्यवहार तथा पत्रकारों के साथ उनके आत्मीय संबंधों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है। यही कारण है कि संगठन में उनकी कार्यशैली और मीडिया के साथ संवाद की क्षमता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।



डॉ. महेंद्र सिंह हाल तक मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रभारी थे

भाजपा ने मप्र में प्रदेश प्रभारी बदला

त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब बने अब मप्र भाजपा प्रभारी

भाजपा ने मध्य प्रदेश में प्रदेश प्रभारी बदल दिया है। पार्टी ने त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देव को मध्य प्रदेश का प्रभारी और रेखा वर्मा को सह प्रभारी बनाया है। अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रहे डॉ. महेंद्र सिंह की जगह बिप्लब देव को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को प्रदेश प्रभारियों और सह प्रभारियों की नई सूची जारी की।

बृजगोपाल लोया बने मप्र भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी

मध्यप्रदेश भाजपा ने बृजगोपाल लोया को प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति आशीष अग्रवाल के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक बनाए जाने के बाद हुई है। प्रदेश मीडिया प्रभारी का पद करीब 37 दिन से खाली था। अब लोया प्रदेश में भाजपा की मीडिया रणनीति, पार्टी के कार्यक्रमों और सरकार से जुड़े मुद्दों पर मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे।



मप्र के चार नेताओं की दिखेगी देश में धाक भदौरिया, कविता पाटीदार, आर्य और गजेंद्र पटेल को नया जिम्मा

►► नवीन ने चारों को बड़े-बड़े राज्यों की सौंपी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

मप्र के चार भाजपा नेताओं का कद अब प्रदेश की सीमाओं से बाहर दिखेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चारों सीनियर नेताओं को आंध्र प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसे अहम राज्यों में प्रभारी और सहप्रभारी की बड़ी संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी है। मप्र से राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुघ के हस्ताक्षर से ही यह सूची जारी हुई है।

अरविंद भदौरिया, आंध्र प्रदेश

पूर्व मंत्री और अटॉर से पूर्व विधायक अरविंद भदौरिया को आंध्र प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ वनजी श्रीनिवासन को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।



कविता पाटीदार, राजस्थान

राज्यसभा सांसद और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव कविता पाटीदार को राजस्थान का सह प्रभारी बनाया गया है। राजस्थान में संजय माटिया प्रभारी होंगे, जबकि कविता पाटीदार और कुलजीत चहल सह प्रभारी रहेंगे।



लाल सिंह आर्य, पश्चिम बंगाल

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य को पश्चिम बंगाल का सह प्रभारी बनाया गया है। यहां सुनील बंसल प्रभारी होंगे और लाल सिंह आर्य के साथ राजेंद्र सिंह तथा पिकी कुशवाहा सह प्रभारी की भूमिका निभाएंगे।



गजेंद्र पटेल, झारखंड

खरगोन से सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव गजेंद्र पटेल को झारखंड का प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ सौरभ सिंह और निवेदिता सिंह सह प्रभारी होंगे।



एमडीआर के विरोध में 'नो यूपीआई डे' मनाया



जीरो-एमडीआर व्यवस्था जारी रखने की मांग

यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित मचेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क के विरोध में राजधानी भोपाल समेत प्रदेशभर के व्यापारियों ने 'नो यूपीआई डे' मनाकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर सहित कई शहरों में व्यापारियों ने दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड स्कैनर पर काला कपड़ा बांधकर प्रस्तावित शुल्क व्यवस्था का विरोध किया। व्यापारी संगठनों का कहना है कि यूपीआई पर एमडीआर लागू होने से इसका सीधा वित्तीय व्यापारियों पर पड़ेगा।

सागर जहरीली शराब कांड में तीसरा एनकाउंटर मुख्य आरोपी मनीष लोधी के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार



साथी भी जख्मी दो कट्टे, पांच कारतूस बरामद

बंडा जहरीली शराब कांड में पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीसरा एनकाउंटर हुआ है। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया सेसई रोड घाटी के पास पुलिस ने 30 हजार रुपए के इनामी और कांड के मुख्य आरोपी मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। फायरिंग के दौरान मनीष के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी आशीष भी घायल हुआ।

हर्बल गार्डन अब आम लोगों के लिए खुला

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर भोपाल के पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय में तैयार 6 एकड़ के स्टेट कंपोजिट

हर्बल गार्डन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही हर्बल गार्डन ऑफ स्टेट इंपोर्टेस में आम लोगों के प्रवेश की शुरूआत भी की गई।

प्रदेश में 1773 आयुर्वेदिक औषधालय

आयुष मंत्री इंद्र सिंह परमार ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 1,773 आयुर्वेदिक औषधालय, 800 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 58 आयुष विंग संचालित हैं। उनके अनुसार वर्ष 2023 तक प्रदेश में 7 आयुर्वेदिक तथा 2 होम्योपैथी और यूनानी महाविद्यालय थे। अब 9 आयुष महाविद्यालय संचालित हैं।

एसआईआर पर चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति के दावे से सियासी हंगामा

चुनाव आयुक्तों में टकराव, सफाई-ये सिर्फ मतभेद, फैसले 'सर्वसम्मति' से

एजेसी ►► नई दिल्ली

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश के कई राज्यों में चर्चा तेज है। इस बीच, चुनाव आयोग के अंदर इस प्रक्रिया को लेकर मतभेद होने की खबर सामने आई। इसके बाद चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर आ गया है। रिपोटर्स में दावा किया गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को लेकर असहमति थी।

यह भी कहा गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने लगातार कई बैठकों में प्रक्रिया पर आपत्ति जताई। भारत निर्वाचन आयोग ने इन खबरों को खारिज कर दिया है। आयोग के मुताबिक एसआईआर से जुड़े सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं और आयोग में किसी तरह का मतभेद नहीं है। हालांकि, किसी भी मुद्दे पर चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव की व्यक्तिगत राय अलग-अलग हो सकती है।

►► राहुल गांधी बोले- चुनाव आयोग ने देशद्रोह का काम किया, वे बचेंगे नहीं



राहुल गांधी

राहुल बोले- टाइम आउटा हम आपको पकड़ेंगे

राहुल गांधी अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें लिखा है कि वोट की चोरी भारत के लोगों के खिलाफ एक अपराध है और संविधान पर सीधा हमला है। इसका जस्वर होगा।

►► भाजपा बोली- लगातार इनकी कोशिश संवैधानिक संस्थाओं पर हमले की



संबित पात्रा

हार गए हैं, तो चुनाव आयोग पर हमला कर रहे: संबित

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि हार गए हैं तो चुनाव आयोग पर हमला कर रहे हैं। जब से मोदी जी की सरकार बनी तक से विपक्षी पार्टी लगातार धराशाई रही।



सुखबीर सिंह संघू, ज्ञानेश कुमार, विवेक जोशी

चौथे दिन भारत ने जीते कुल 5 पदक, वुशु में रोशिबिना देवी फाइनल में



मीराबाई चानू ने की भारत की चांदी एशियन गेम्स में जीता पहला पदक

49 किग्रा भारवर्ग में सिल्वर पर कब्जा

नागोया। भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में आखिरकार अपना पहला पदक जीत लिया। उन्होंने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। मीराबाई ने कुल 198 किग्रा वजन उठाया, जिसमें स्नेच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 111 किग्रा शामिल रहा। नॉर्थ कोरिया की री सोन-गम ने 210 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंडोनेशिया की विजयाना सुलुक् डियानी दुई ने 191 किग्रा के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर मुख्यमंत्री की आयुष विभाग को सौगात

खुलेंगे 9 आयुर्वेदिक कॉलेज, 184 करोड़ से बनेंगे 25 आयुष भवन

हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

आयुष इंटरन डॉक्टरों को जल्द ही शुभ समाचार मिलने वाला है। मेडिकल इंटरन डॉक्टरों की तरह आयुष इंटरन डॉक्टरों के भी स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की जाएगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नए महाविद्यालयों और आयुष सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाया है।



रिमोट से आरोग्य धाम शासकीय वैलनेस एवं समग्र स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ करते सीएम

भाजपा ने किया प्रदेश प्रभारियों का ऐलान

सुनील बंसल को बंगाल और तेलंगाना, स्मृति को छत्तीसगढ़ और हरियाणा और बांसुरी स्वराज को उत्तराखंड का सह-प्रभारी नियुक्त किया

एजेसी ►► नई दिल्ली

भाजपा ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रदेश प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। पार्टी ने कई बड़े नेताओं को अहम संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड का प्रभारी बनाया गया है, जबकि सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी मिली है। स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश में विनोद तावड़े को प्रभारी और चार नेताओं को सह-प्रभारी बनाया गया है। ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड का प्रभारी बनाया गया है। उत्तराखंड में उनके साथ अरविंद मेनन और बांसुरी स्वराज को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रदेश प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए



सुनील बंसल



बांसुरी स्वराज



स्मृति ईरानी

छग में सिद्धार्थ शंभू को सह-प्रभारी बनाया
भाजपा ने स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया है। छत्तीसगढ़ में सिद्धार्थ शंभू को सह-प्रभारी बनाया गया है। हरियाणा में डॉ. भोला सिंह को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। स्मृति दो राज्यों का जिम्मा दिया है।

उत्तर प्रदेश में 4 सह प्रभारी नियुक्त

उत्तर प्रदेश में 4 सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इनमें जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, डॉ. प्रदीप वर्मा और अनंत ओझा शामिल हैं। इससे राज्य में संगठनात्मक कामकाज के लिए बनाई गई नई टीम का ढांचा स्पष्ट होता है।

जम्मू-कश्मीर जम्मू-कश्मीर में डॉ. पूनिया बने प्रभारी

गुजरात का प्रभारी तरुण चुग को बनाया गया है। उनके साथ अजय महावर और गोमती साई को सह-प्रभारी बनाया गया है। जम्मू-कश्मीर में डॉ. सतीश पुनिया को प्रभारी और रीना कश्यप को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्थान भाजपा में बड़ा फेरबदल संजय बने नए प्रदेश प्रभारी व कविता-कुलजीत सह-प्रभारी



संजय भाटिया कुलदीप चहल

राजस्थान के प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी में बदलाव किया है। पार्टी ने राज्यसभा सांसद संजय भाटिया को राजस्थान का नया प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ कविता पाटीदार

और कुलजीत चहल को राजस्थान में सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

असम में मंगल पांडे और अरुणाचल में डॉ. देवेश

असम में मंगल पांडे को प्रभारी बनाया गया है, जबकि फांगनोन कोन्याक और मनोज तिग्गा सह-प्रभारी हैं। अरुणाचल में डॉ. देवेश कुमार प्रभारी होंगे। मेघालय में कनाड पुरकायस्थ प्रभारी और डॉ. नुमल मोमिन सह-प्रभारी हैं। मणिपुर में डॉ. राजदीप राय, मिजोरम में डॉ. भगवत कराड और नगालैंड में अनिल एंटनी को प्रभारी बनाया है।

खबर संक्षेप

अगले साल पटरियों पर दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

नई दिल्ली। देश की पहली बुलेट ट्रेन को चलाने की तैयारियां जोर-शोर पर चल रही हैं। हाई स्पीड रेल ट्रेक से लेकर स्टेशनों, ब्रिज और सुरंगों का काम युद्धस्तर पर जारी है। बुलेट ट्रेन जब फुल स्पीड में होगी, तो 320 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी और अगले साल इसकी शुरुआत होने वाली है। रेल मंत्रालय ने कन्फर्म कर दिया है। जल्द प्रयोग किया जाएगा।

मेघालय में यूडीपी के 8 विधायक भाजपा में

शिलांग। मेघालय की राजनीति में बुधवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी यानी यूडीपी के आठ विधायक भाजपा में शामिल हो गए। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

और भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा को मौजूदगी में इन विधायकों ने भाजपा की सदस्यता ली। विधानसभा में भाजपा की संख्या 10 हो गई है।

कर्नाटक में कांग्रेस विधायक का फिर इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक यशवंतरायगौड़ा पाटील ने विजयपुरा के इंडी विधानसभा क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित नहीं करने से नाराज होकर विधानसभा अध्यक्ष जीएस पाटील की अपना इस्तीफा भेज दिया है। पाटील ने कहा कि वे लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं का जवाब देने में खुद को असमर्थ महसूस कर रहे हैं। दबाव बनाने वालों की चल रही है।

बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक बने ईशान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को बड़ा प्रमोशन दिया है। मायावती ने ईशान को पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर ईशान पर फैसला लिया है।

नूंह में तेज रफ्तार ट्रक से 4 लोगों को रौंदा

नूंह। नूंह शहर में तावड़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क के पास खड़े 5 लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति सहित 3 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। ट्रक चालक ट्रक को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में कार्रवाई शुरू कर दी है।



निर्वाचन आयोग पर लग रहे आरोपों के बीच ममता का बड़ा हमला बंगाल में फिर कराओ चुनाव व ज्ञानेश को करो गिरफ्तार, मामला भी दर्ज किया जाए

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय निर्वाचन आयोग पर लग रहे आरोपों के बीच पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बेनर्जी ने भी मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रदेश में 2026 के विधानसभा चुनाव को रद्द कर दोबारा चुनाव कराने की मांग की। साथ ही ज्ञानेश कुमार की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की भी मांग की है। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में हुए चुनाव और वोटर लिस्ट के एसआईआर में गड़बड़ी हुई। चुनाव प्रक्रिया समझौता की गई थी। भाजपा और ज्ञानेश कुमार मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने इसे 'जॉइंट वेंचर कंपनी' बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा और ज्ञानेश ने मिलकर बंगाल का चुनाव लूट लिया। अगर थोड़ी भी नैतिक शक्ति है तो हमारा चुनाव वापस कर दीजिए।

आरोप: भाजपा और ज्ञानेश मिलकर काम कर रहे ममता ने अपनी हार को एसआईआर से जोड़ा



ममता बेनर्जी

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 सीटों में से 208 सीटें जीतीं और 147 सीटों के बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर गईं। टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। ममता ने इस हार को एसआईआर प्रक्रिया से जोड़ा। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में काम आई। उन्होंने आयोग पर आरोप लगाया कि आयोग ने चुनाव के दौरान उनकी पार्टी को बचाने की बजाय भाजपा को संरक्षण दिया। एसआईआर को उन्होंने 'सत्ताधारी पार्टी के लिए विशेष प्रोत्साहन' बताया। ममता ने कहा कि इस मुख्य चुनाव आयुक्त को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

ईसी का काम भाजपा के अहंकार को संतुष्ट करना

उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया कि उनका एकमात्र काम भाजपा के अहंकार को संतुष्ट करना है। उनके दावे के अनुसार भाजपा ने 2024 का लोकसभा चुनाव और 2025-26 में हुए कई चुनाव ज्ञानेश कुमार की वजह से जीते।

चुनाव आयोग के बचाव में भाजपा, सुनाई खरी-खरी

हार-जीत का आंकड़ा पेश किया, विपक्ष हार का ठीकरा सीईसी पर फोड़ रहा

अब भाजपा ने चुनाव आयोग का बचाव किया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि अगर देश में चुनाव कराने वाले तीनों चुनाव आयुक्त आपस में बातचीत नहीं करते, विचारों का आदान-प्रदान नहीं करते, सलाह नहीं करते और केवल एक-दूसरे से सहमत होते रहते हैं तो विपक्षी दल कहते हैं 'यह तानाशाही' है। वे कहते हैं, इस सरकार ने इन तीनों को नियुक्त किया है और ये हर बात पर हां कह देते हैं।

विपक्ष घराशाही तो आयोग को गिन्नेदार बता रहा



पात्रा ने कहा कि विपक्ष ने हमारी सांविधानिक संस्थाओं पर विपक्ष हमले करता है। उन्होंने कहा कि 2014 से ही विपक्ष घराशाही हो गया है। पात्रा ने कहा कि विचारों का आदान-प्रदान लोकतंत्र की निशानी है। एसआईआर पर सभी की एक राय थी। पात्रा ने कहा, जब से मोदी की सरकार बनी है, तब से विपक्षी पार्टी लगातार धराशाई होती रही।

बंगाल में जिन 20 सीटों पर सबसे ज्यादा वोट कटे, वहां टीएमसी जीती

पात्रा ने कहा कि विपक्षी दल हमारे ऊपर वोट चोरी के आरोप लगाते हैं। बंगाल में जिन 20 विधानसभा सीटों पर सबसे ज्यादा वोट कटे, उनमें 13 सीटों पर ममता जीतीं।

इस अहम व्यवस्था लागू करने से होगा लाभ

एजेसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस दत्ता वाली बेंच ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से अहम व्यवस्था लागू करने पर विचार करने का अनुरोध किया है। बेंच ने सुझाव दिया है कि संविधान की व्याख्या से जुड़े अहम कानूनी सवालों के निपटारे के लिए 5 जजों की एक स्थाई संविधान पीठ बनाई जानी चाहिए। संविधान की व्याख्या से जुड़े सवालों को सुलझाने के लिए एक स्थायी बेंच बनाने की संभावना पर विचार करने का अनुरोध किया है। संविधान की व्याख्या से जुड़े कानून के महत्वपूर्ण सवालों पर सुनवाई के लिए कम से कम 5 जजों की पीठ आवश्यक होती है। फिलहाल ऐसी बेंच का गठन आवश्यकतानुसार सीजेआई द्वारा किया जाता है।

बार-बार संविधान पीठ बनाने की जरूरत खत्म हो, 5 सदस्यीय स्थाई बेंच बनाई जाए सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सीजेआई को दिया बड़ा सुझाव

22 मुख्य मामले और 175 मामले लंबित



अभी लागू व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट में 5 जजों की पीठ से जुड़े 22 मुख्य मामले और उनसे संबंधित लगभग 175 मामले लंबित पड़े हैं। जजों के पास अलग-अलग रोस्टर और

दैनिक मामलों की व्यस्तता के कारण संविधान पीठ का गठन बार-बार करना पड़ता है, सुनवाई में निरंतरता नहीं रह पाती।

स्थाई बेंच बनने से कई बदलाव होंगे

बेंच ने बताया कि संविधान की एक स्थाई बेंच बनने से संवैधानिक मामलों की सुनवाई बिना किसी रुकावट के लगातार हो सकेगी, मामलों का तेजी से निपटारा संभव होगा।

आकृति मामले में कहा

डीएम मेधा को अलग नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्टूडेंट एक्टिविस्ट आकृति चौधरी की



हिरासत के फैसले की प्रक्रिया से डीएम मेधा रूपम को अलग नहीं किया जा सकता।

जस्टिस एससी शर्मा और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने यह कहा।

बॉम्बे हाईकोर्ट का त्योहारी सीजन में अहम आदेश सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध और उत्सवों में डीजे-लेजर लाइट भी अनुचित

एजेसी ►► मुंबई

त्योहारों के दौरान होने वाले भारी ध्वनि और वायु प्रदूषण पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। गणेश उत्सव के दौरान आए इस फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि धार्मिक जुलूसों और आयोजनों में लाउडस्पीकर, डीजे और लेजर बीम का इस्तेमाल पूरी तरह से अनुचित है। कोर्ट ने कहा कि मुंबई जैसे शहर में सार्वजनिक सड़कों पर दिन हो या रात, किसी भी स्थिति में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह न केवल खतरनाक है, बल्कि इससे शहर में जहरीला प्रदूषण और धुंध फैलाती है, जो अब शुरू हो चुकी है।

अदालत ने कहा कि यदि नियमों का उल्लंघन होता है, तो इस राशि को जब्त कर लिया जाए, जिससे उल्लंघनकर्ताओं में डर पैदा हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि कोर्ट किसी भी त्योहार या जश्न के खिलाफ नहीं है, लेकिन उत्सव नियमों के उल्लंघन और नागरिकों की सेहत या जान की कीमत पर नहीं हो सकते। धार्मिक भावनाओं और जनसुरक्षा के बीच संतुलन होना बेहद जरूरी है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने टिप्पणी की, क्या इन सभी लाउडस्पीकरों और पटाखों का उपयोग करने से हमें भगवान का अतिरिक्त आशीर्वाद मिल जाएगा?



भारत पहुंचा साल का पहला तूफान अर्नब, तबाही की चेतावनी

2 राज्यों में स्कूल बंद और अफसरों की छुट्टियां रद्द

एजेसी ►► नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में मौसम बदल रहा है कि तूफान उठने की खबर है। यहाँ एक गहरे दबाव का क्षेत्र बन गया है। ताजा गतिविधियों का असर आंध्र प्रदेश और ओडिशा पर नजर आने लगा है। दोनों ही राज्यों में भारी बारिश की संभावनाएं जताई जा रही हैं। सिस्टम अभी गहरे दबाव की श्रेणी में है। माना जा रहा है कि यह चक्रवात अर्नब बन सकता है। सुर्खा के महेनगर ओडिशा के कम से कम 7 जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। अधिकारियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं।

बंगाल की खाड़ी में मौसम का विकट रूप, बढ़ रहा आगे



डीप डिप्रेशन ने बढ़ाई चेरेनी

इस मौसम सिस्टम के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की बहुत अधिक संभावना है। यह बुधवार, 23 सितंबर की रात तक विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) और गोपालपुर (ओडिशा) के बीच, कलिंगपट्टनम के पास से उत्तर आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तट को डीप डिप्रेशन के रूप में पार कर सकता है।

आंधर में होगा सबसे ज्यादा असर

बुधवार को मौसम विभाग ने बताया है कि सिस्टम पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि 23 सितंबर की रात में विशाखापत्तनम और गोपालपुर के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश दक्षिण ओडिशा को पार कर सकता है। इस सिस्टम से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ओडिशा होगा, जिसके चलते कई हिस्सों में भारी बारिश के आसार हैं।

6 घंटे में रफ्तार बढ़ गई

विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे जुड़े उत्तर-पश्चिम हिस्से में बना डीप डिप्रेशन पिछले छह घंटों में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ा। सुबह 5:30 बजे यह सिस्टम इसी क्षेत्र में केंद्रित था। यह कलिंगपट्टनम से करीब 70 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व, गोपालपुर से 150 किलोमीटर दक्षिण, विशाखापत्तनम से 150 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व और पुरी से 230 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में था।

एजेसी ►► अहमदाबाद



गुजरात में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के 75वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों से कहा कि वे अपने काम के क्षेत्र में देश और उन्मुलन और लोकतंत्र जैसी जटिल समकालीन चुनौतियों का समाधान केवल अध्ययन के एक क्षेत्र से नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति यूनिवर्सिटी ज्ञान के कई क्षेत्रों में शिक्षा दे रही है। एआई से सही सवाल पूछना छात्रों की जिम्मेदारी है।

एआई समाधान दे सकता है, पर सही सवाल पूछें

राष्ट्रपति ने उच्च शिक्षा में मल्टी-डिस्सिप्लिनरी अप्रोच अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), गरीबी उन्मुलन और लोकतंत्र जैसी जटिल समकालीन चुनौतियों का समाधान केवल अध्ययन के एक क्षेत्र से नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति यूनिवर्सिटी ज्ञान के कई क्षेत्रों में शिक्षा दे रही है। एआई से सही सवाल पूछना छात्रों की जिम्मेदारी है।



बीएसबीडी खाता



न्यूनतम बैलेंस नहीं, अधिकतम फायदे सही!



कोई न्यूनतम बैलेंस नहीं



कोई प्रारंभिक जमा राशि आवश्यक नहीं



निःशुल्क एटीएम-सह-डेबिट कार्ड



निःशुल्क इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग सुविधाएँ



निःशुल्क पासबुक एवं चेकबुक



मौजूदा बचत खाता को आसानी से इसमें बदलने की सुविधा

सामान्य बचत बैंक जमा खाता

बिना किसी शुल्क के,
अब नई सुविधाओं के साथ



आरबीआई कहता है...

जानकार बनिए,
सतर्क रहिए





अधिक जानकारी के लिए
<https://rbikehtahai.rbi.org.in/bsbd-account.html> पर विजिट करें

जन्मिहत में जारी

भारतीय रिज़र्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in



आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर: 99990 41935 / 99309 91935



चिंतन

दोहरा रवैया अपनाना बंद करे अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका की भूमिका हमेशा से ही प्रभावशाली रही है, लेकिन मौजूदा समय में उसकी ईरान नीति कई सवाल खड़े कर रही है। एक तरफ अमेरिका ईरान के साथ बातचीत की मेज पर बैठ रहा है, मध्यस्थता के जरिए संवाद हो रहा है और समझौते की संभावनाएं तलाशने की बात कही जा रही है। दूसरी तरफ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। आखिर अमेरिका चाहता क्या है, बातचीत या टकराव? दुनिया के सामने यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा दोहरा रवैया किसी भी कूटनीतिक प्रयास की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब तीन घंटे बातचीत होना इस बात का संकेत है कि संवाद का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। यदि बातचीत संभव है तो उसे गंभीरता से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। धमकी और बातचीत एक साथ चलेंगी तो अविश्वास बढ़ेगा। अमेरिका के पास दुनिया की बड़ी सैन्य और आर्थिक ताकत है, लेकिन किसी देश को सैन्य कार्रवाई से तबाह करने की चेतावनी देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। ईरान का रवैया भी कम कठोर नहीं है। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने, विदेशों में जमा अपनी संपत्तियां जारी करने और क्षेत्रीय मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने जैसी शर्तें रखी हैं। इन मांगों पर दोनों देशों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इनका समाधान बातचीत से ही निकल सकता है। होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद रखना केवल अमेरिका या ईरान का मामला नहीं है। इसका सीधा असर पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज से तेल और गैस की बड़ी मात्रा का परिवहन होता है। यहां तनाव बढ़ने का मतलब है ऊर्जा की कीमतों पर दबाव, परिवहन लागत में वृद्धि और महंगाई का बढ़ना। अंततः इसका भुगतान आम आदमी अपनी जेब से करता है। अमेरिका की विदेश नीति में दोहरे मापदंड का सवाल रूप के संदर्भ में भी उठता है। अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध और 100% तक टैरिफ लगाने की धमकी देता है, जबकि खुद रूस से यूरेनियम जैसे सामरिक उत्पाद खरीदता है। भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों, आर्थिक हितों और रणनीतिक संबंधों के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। ऐसे में किसी भी बड़ी शक्ति द्वारा एकतरफा दबाव वैश्विक व्यापार के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकता है। दुनिया की ही युद्धों, आपूर्ति संकट और महंगाई की चुनौतियों से जूझ रही है। अमेरिका को यह समझना होगा कि ताकत का इस्तेमाल और प्रदर्शन दो अलग चीजें हैं। जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व का अर्थ यह नहीं कि हर विवाद में सैन्य विकल्प को सामने रखा जाए। असली नेतृत्व तो तब दिखाई देता है, जब ताकतवर देश अपने प्रभाव का इस्तेमाल युद्ध रोकने और बातचीत को सफल बनाने में करे। साथ ही ईरान को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। होर्मुज को लंबे समय तक दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। ईरान को भी बातचीत के जरिए व्यावहारिक समाधान की दिशा में बढ़ना देश। आज दुनिया को एक स्थिर ऊर्जा बाजार, सुरक्षित व्यापार मार्ग और शांतिपूर्ण समाधान चाहिए। अमेरिका को दोहरा रवैया छोड़कर स्पष्ट नीति अपनानी होगी और ईरान को भी कठोर शर्तों से आगे बढ़कर व्यावहारिक रास्ता तलाशना होगा। धमकी से दुनिया डर सकती है, लेकिन स्थायी शांति नहीं बन सकती।

सचेत	
विवेक मिश्रा	



जी-2 के ग्रह चक्रों में फंसने से बचे भारत

भारत की आतिथ्य पूर्ण अगुवाई में ब्रिक्स देशों का 18वां शिखर सम्मेलन, सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रत्यास्थता, नवाचार, सहयोग और स्थिरता जैसे उद्देश्यों के प्रति संकल्पित, यह विश्व के दक्षिणी हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्र अध्यक्षों का सम्गम बना था । जहां सर्वसम्मति से 140 बिंदुओं पर आधारित ‘नई दिल्ली घोषणा पत्र’ को आत्मसात किए जाने की उद्घोषणा हुई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर सहयोग व सुरक्षा, एकतरफा टैरिफ और प्रतिबंधों का विरोध, सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्दाओं में व्यापार जैसे विषय प्रमुखता के साथ रेखांकित हुए थे। ब्रिक्स के साझा हितों पर धुर विरोधी राष्ट्र भी भारतीय नेतृत्व में एकमत दिखे। विषमताओं में विश्व विस्मित करती, यह विलक्षण भारतीय विदेश नीति विश्वव्यापी विश्वास की आधारशिला बन सकती है। यह सत्य है कि यथार्थ के धरातल पर अभी इस सहमति का परिणीति तक पहुंचना बाकी है। मौजूदा चुनौतियों में तात्कालिक आवश्यकताओं को दर्शाता और उनसे निपटने के समाधानों को सुझाता यह घोषणा पत्र , सभी सदस्य देशों की साझा जरूरतों को पूरा करता है। अतः इसके लागू होने में बाधाएं कम ही प्रतीत होती हैं, बशर्ते द्वेष पूर्ण मानवीकृत बाधाओं को न जन्माया जाए। हम कुछ उदाहरणों से इसे समझ सकते हैं, जैसे ब्रिक्स देशों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पारदर्शी, समावेशी व जवाबदेही पूर्ण साझा इंस्तेमाल का लक्ष्य रखते ही ए.आई. से पैदा होने वाले खतरों के विषय में चर्चाएं तेज हो गईं। ए.आई. सुरक्षा और अनुसंधान कंपनी एंथ्रोपिक के भूतपूर्व व्वादधिकारी जेकब कॉक्सोन चिंताएं व्यक्त करते हुए कहते हैं कि यह तकनीक 2030 तक ईसाां को पूरी तरह खत्म कर देगी। तकरीबन यही बात एआई के गांड फादर माने जाने वाले जॉर्जो हिटिन भी कहते हैं कि आने वाले एक दशक में एआई के कारण इंसानियत के खत्म होने का 10 से 20 फीसदी तक जोखिम है। यहां गौर करने वाली बात है कि जॉर्जो हिटिन कुछ दिन पहले तक इसी जोखिम के लिए दुनिया को अगले 30 साल का समय दे रहे थे। बिल गेट्स, बर्नी सैंडर जैसे नामचीन लोगों को एक साथ चिंताएं नजर आईं।

यू.एन. के प्रमुख एंटेनिया गुटेरस ने तो इसे मानवता के अस्तित्व के लिए खतरा बताया। चीन ने ब्रिक्स में मुखरता से ओपन सोर्स ए.आई. की बात रखी थी। ब्रिक्स के विकासशील देशों का तकनीकी सशक्तिकरण चीन के वैश्विक प्रभुत्व को स्थापित करेगा, तब जबकि अमेरिका और यूरोप अपनी ए.आई. विकास यात्रा को संकीर्णता में बांध रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, मुक्त तकनीक विस्तार नहीं चाहते हैं, जबकि चीन आश्चर्यजनक रूप से खुले दिल को दर्शा रहा है। वहीं बड़ी ए.आई. कंपनियां भी शोध में चीन के विस्तृत कार्यक्षेत्र से प्रतिस्पर्धा नहीं चाहती हैं। ए.आई तकनीक पर अचानक खड़ा किया गया यह शोर दरअसल ब्रिक्स से निकले संयुक्त तकनीकी संकल्पों को बाधित करने का प्रयास मात्र है। ब्रिक्स देशों के बीच स्थानीय मुद्दा में व्यापार करने की खबरें, अमेरिकी औपनिवेश की डॉलर डिक्टेटरशिप (मौद्रिक तानाशाही) को इस प्रकार चुभी कि, अमेरिकी संसद ने पक्ष-विपक्ष का भेद दूर करके, रूस से तेल खरीदने वाले शीर्ष 5 देशों पर 100% टैरिफ बिल पास कर दिया। चीन, टैरिफ वाली ट्रंप नीति के पर पहले ही कतर चुका है, दुर्लभ खनिज अमेरिकी कंपनियों को सुलभता से मिलते रहे, अमेरिकी सरकार यह सबसे पहले सुनिश्चित करेगी। प्रसंस्कृत स्थायी चुम्बकों व विट्रियम पर चीन का एकाधिकार और इन पर अमेरिकी निर्भरता, चीन पर लगने वाले सभी टैरिफों को स्वतः ही अप्रभावी बना देती है।

टैरिफ का भी सबसे बुरा प्रभाव भारत पर पड़ता है। दूसरी ओर मक्का पैक्ट के साझेदार सऊदी अरब और पाकिस्तान अपने-अपने तरह से भारत के सामने संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। पाकिस्तान चेतावनियों के बावजूद समुद्री आवागमन के रास्ते पर भारतीय युद्धपोतों से टकराव पैदा कर रहा है, तो सऊदी अरब भारत को तेल आपूर्ति करने में निजी हित तौल रहा है। सऊदी अरब भारत को स्पॉट मार्केट से तेल खरीदने को कहता है, अर्थात ऊंची बोली लगाकर स्वयं की जिम्मेदारी पर, अपने संसाधनों से तेल को भारत लाना। जो परंपरागत एनएल कॉन्टैक्ट से एकदम उलट है। भारत के लिए सबसे बेहतर व सशक्त विकल्प यही है कि वह आने वाले कुछ वर्षों तक संघर्ष को टाल, उपस्थित परिस्थितियों व संसाधनों में यथासंभव अपनी प्रगति प्रशस्त करता चले। सजगता इतनी रहे कि ब्रिक्स की धुरी पर घूर्णन करते हम अपने इर्द-गिर्द चक्कर लगाते ग्रहों के चक्रों में न फंस जाएं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

 मुद्दा
प्रो . (डॉ .) मनोज दयाल

पिछले एक साल में भारतीय टैलेंट का भूगोल पूरी तरह बदल गया है। अब प्रवृत्ति अमेरिका जाने की नहीं, अमेरिका छोड़ने की है। कोई जर्मनी और नीदरलैंड जा रहा है, कोई दुबई और सिंगापुर, और सबसे महत्वपूर्ण–एक बड़ी संख्या अब गर्व के साथ भारत लौट रही है। यह सिर्फ नौकरी बदलना नहीं है, यह सोच बदलना है। आंकड़े डराते नहीं, जगाते हैं। यह बदलाव हवा-हवाई नहीं है। इसके पीछे ठोस आंकड़े और कठोर अमेरिकी नीतियां हैं। पहला झटका, विश्वविद्यालयों में सन्नाटा छाया। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के आवेदनों में 60 प्रतिशत की अभूतपूर्व कमी आई है। यह सामान्य गिरावट नहीं है। ऐतिहासिक पलायन है। कभी हार्वर्ड और एमआईटी में दाखिला भारतीय मध्यम वर्ग का सपना था। आज वही वर्ग पृष्ठ रहा है – क्या चार साल बाद वीजा मिलेगा भी या नहीं? दूसरा झटका,एच-1बी की एक लाख डॉलर वाली दीवार खड़ी की गई। अमेरिका ने पिछले वर्ष सितंबर में एच-1बी वीजा की फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर यानी लगभग 84 लाख रुपये कर दी। यह फीस नहीं, एक तरह की सजा है। इसका असर तत्काल दिखा – महज एक वर्ष में एच-1बी आवेदनों में 10 प्रतिशत की गिरावट। छोटी और मझोली अमेरिकी कंपनियों ने तो भारतीय पेशेवरों को बुलाना ही बंद कर दिया है। अब सिर्फ गुगल-माइक्रोसॉफ्ट जैसे दिग्गज ही यह फीस भर सकते हैं। तीसरा और सबसे बड़ा झटका, वैज्ञानिकों का पलायन आरंभ हो चुका है। अमेरिका की असली ताकत उसके लैब थे। पर अब लैब खाली हो रहे हैं। भौतिकी में पीएचडी करने वाले विदेशी स्कॉलर्स के अमेरिका छोड़ने की दर 2023-24 में 16 प्रतिशत थी, जो 2024-25 में बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। यह तीन दशक में अमेरिका छोड़ने की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है अर्थात, अमेरिका अब सिर्फ कोडर नहीं, अपने भविष्य के नोबेल विजेताओं को भी खो रहा है। ग्रीन कार्ड के लिए 20 साल का इंतजार, हर चुनाव में आप्रवासियों को विलेन बनाना और कैम्पस में बढ़ती असुशा ने इस म्योहर्भंग को पूरा कर दिया है। अब अमेरिका को नुकसान, यूरोप-एशिया को लाभ प्राप्त हो रहा है। जहां अमेरिका ने दरवाजा बंद किया है, वहीं यूरोप और एशिया ने बाहें खोली हैं। जर्मनी ने अपना 'चांस

क समय था जब भारतीय माता-पिता अपने मेधावी बच्चे को आशीर्वाद देते थे – बेटा, अमेरिका जा।' अमेरिका जाना सफलता का अंतिम प्रमाण-पत्र था। आईआईटी के बाद स्टैनफोर्ड, पीएचडी के बाद सिलिकॉन वैली और फिर ग्रीन कार्ड। इसे ही 'अमेरिकन ड्रीम' कहा जाता था। अब वह ड्रीम डगमगा रहा है और भारतीय पेशेवर जाग रहा है। पिछले एक साल में भारतीय टैलेंट का भूगोल पूरी तरह बदल गया है। अब प्रवृत्ति अमेरिका जाने की नहीं, अमेरिका छोड़ने की है। कोई जर्मनी और नीदरलैंड जा रहा है, कोई दुबई और सिंगापुर, और सबसे महत्वपूर्ण–एक बड़ी संख्या अब गर्व के साथ भारत लौट रही है। यह सिर्फ नौकरी बदलना नहीं है, यह सोच बदलना है। आंकड़े डराते नहीं, जगाते हैं। यह बदलाव हवा–हवाई नहीं है। इसके पीछे ठोस आंकड़े और कठोर अमेरिकी नीतियां हैं। पहला झटका, विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों के आवेदनों में 60 प्रतिशत की अभूतपूर्व कमी आई है। जो मेधा समंदर पार गई थी, वह अब समंदर पार कर लौट रही है। यह सिर्फ एक प्रवृत्ति नहीं, भारत के विश्वगुरु बनने की प्रस्तावना है।

मानव अपनी दौड़ को सीमित करे

सिकन्दर को एक महात्मा ने कहा, तुम भारत को जीत कर क्या करोगे? सिकंदर ने कहा, पहले मैं अफगानिस्तान जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? फिर मैं उजबेकिस्तान, रूस आदि देश जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? सिकन्दर बोला फिर मैं आराम करूंगा। महात्मा ने कहा अगर तुम इतना सब करके ही आराम करने वाले हो तो आज ही आराम करो तो क्या कठिनाई है? सिकन्दर कोई उत्तर नहीं दे सका। मानव की एक गूण होती है अप्राप्त को प्राप्त करने की। इस तृष्णा के अन्तर्गत जीवन भर वह भाग दौड़ करता ही रहता है, फिर भी जब उसकी मृत्यु होती है, तो उस समय तक बहुत कुछ अप्राप्त ही रह जाता है। विश्व और विश्व के उपादान इतने विस्तृत हैं कि कोई भी व्यक्ति उन्हें पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सकता, यह स्पष्ट होते हुए भी मानव अपनी तृष्णा को निरन्तर बढ़ाता ही रहता है। आराम-सुख-शान्ति-आनन्द ये तत्व तो उसके लिए दुर्लभ ही हो जाते हैं क्यों कि वह तो जीवनभर अर्जन करने में ही जुटा रहता है। और ऐसा करते-करते ही अपना मानव जीवन बिताकर दुनिया से चला जाता है। शास्त्रों का संदेश है कि मानव अपनी दौड़ को सीमित करे।

अंतर्मन

मीडिया में छपे लेख को लेकर विपक्ष चुनाव आयोग पर एकबार फिर हमलावर
 'इसबार शायद फंस जाये...'

करंट अफेयर

प्यूतों रिको के दो अखबार बंद करेंगे प्रिंट संस्करण

प्यूतों रिको के दो प्रमुख अखबारों ने आने वाले दिनों में अपने प्रिंट संस्करण बंद करके केवल डिजिटल रूप में उपलब्ध रहने की घोषणा की है। यह कदम दुनियाभर में प्रिंट मीडिया से डिजिटल माध्यम की ओर बढ़ते रुझान का हिस्सा है। प्यूतों रिको की कंपनी जीएफआर मीडिया ने कहा कि यह निर्णय उपभोक्ताओं की बदलती आदतों को देखते हुए लिया गया है। यह कंपनी 'एल नुवोयो डिया' और 'प्रिमेरा होरा' अखबार प्रकाशित करती है। अखबारों के अनुसार, 'प्रिमेरा होरा' का अंतिम प्रिंट संस्करण 24 सितंबर को और 'एल नुवोयो डिया' का अंतिम प्रिंट संस्करण 27 सितंबर को प्रकाशित होगा। जीएफआर मीडिया की प्रकाशक मारिया लुइस फरे रेंगल ने एक बयान में कहा, 'हम 21वीं सदी के प्यूतों रिको के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जहां आज नौ करोड़ से अधिक प्यूतों रिक्न लोग दीप, अमेरिका, यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में रहते हैं। हम हमेशा प्यूतों रिको के साथ रहे हैं और आगे भी जहां-जहां प्यूतों रिको होगा, वहां मौजूद रहेंगे।' यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि इस फैसले से कितने लोगों की नौकरी जाएगी। जीएफआर मीडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल कंपनी की ओर से आधिकारिक बयान के अलावा कोई अन्य टिप्पणी नहीं की जाएगी।



प्रकाशित होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा हुई। टिग्रिनो को देखने की उत्सुकता में बोलीविया के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ दूसरे देशों से भी लोग 'सेंडा वर्द वन्यजीव अभयारण्य' पहुंच रहे हैं। टिग्रिनो से पूछ तक लंबाई महज 18 इंच (46 सेंटीमीटर) और वजन करीब तीन पाउंड (1.4 किलोग्राम) है। आकार में वह एक सामान्य बिल्ली से भी छोटी है। शोध पत्रिका ‘ करंट बायोलॉजी’ में इस खोज से संबंधित अध्ययन को प्रकाशित होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा हुई। टिग्रिनो को देखने की उत्सुकता में बोलीविया के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ दूसरे देशों से भी लोग 'सेंडा वर्द वन्यजीव अभयारण्य' पहुंच रहे हैं। टिग्रिनो से इसी अभयारण्य में है। उस साल एक परिवार उसे वहां लेकर आया था। परिवार ने उसे घरेलू बिल्ली की तरह पालने की कोशिश की, लेकिन उसे 'यह रास नहीं आया। अभयारण्य के सह-संस्थापक मार्सेलो लेवी ने कहा, 'कुछ ही दिनों में टिग्रिनो संरक्षण की दूत बन गई है।'

भारतीय पेशेवरों का बदलता रुख

कार्ड' और 'ऑपच्युनिटी कार्ड' उदार कर दिया है। वह भारतीय इंजीनियरों को बिना जॉब ऑफर के ही 1 साल का वीजा दे रहा है। नीदरलैंड और स्वीडन 30 प्रतिशत टैक्स छूट दे रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब 10 साल का गोल्डन वीजा दे रहे हैं, सिंगापुर ने 'टेक-पास' में भारतीयों का कोटा दोगुना कर दिया है। भारतीय पेशेवर अब समझ गया है कि जीवन स्तर सिर्फ डॉलर से नहीं नापा जाता। यूरोप में काम के बाद जीवन है, एशिया में घर के करीब होने का सुकून है। वहां 5 बजे के बाद ऑफिस बंद होता है और नरस्ली टिप्पणी का डर नहीं सताता। इन सबके पीछे सबसे बड़ी कहानी है-वापसी-कम्प्रोमाइज नहीं,



चॉइस है। लेकिन इस पूरी कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय है - भारत वापसी। पहले अमेरिका से लौटना विफलता माना जाता था। रिश्तेदार पूछते थे- 'नौकरी चली गई क्या?' आज लौटना सबसे बड़ी सफलता है। नैसकॉम के अनुसार रिवर्स ब्रेन ड्रेन में पिछले 18 महीनों में 35-40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बंगलुरु एयरपोर्ट पर अब हर सप्ताह ऐसे परिवार उतरते हैं जिन्होंने सैन फ्रांसिस्को वाला घर बेचकर हैदराबाद में घर ले लिया है। यह वापसी भारत के भविष्य के लिए पांच बड़े वरदान लेकर आई है। पहला, स्वदेशी, स्वरोजगार और स्टार्टअप को नई ऊर्जा। जो युवा अमेजन में प्रोडक्ट मैनेजर था, वह अब इंदौर में एग्री-टेक स्टार्टअप बना रहा है। जो बोस्टन में कैप्सर पर रिसर्च कर रहा था, वह अब पुणे में सस्ती दवा बना रहा है। उनके पास ग्लोबल एक्सपोजर है और भारतीय समस्या की समझ। यही आत्मनिर्भर भारत का असली मॉडल है - वैश्विक ज्ञान, भारतीय समाधान। इससे स्वरोजगार बढ़ेगा, नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनेंगे। दूसरा, मातृभूमि से प्रेम की प्रगाढ़ता। यह आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक वापसी है। कोविड ने सिखाया कि अंत में ऑक्सिजन

(लेखक कुशाग्रदंठ आर्ये पत्रकारित एवं जनसंचार विधिविद्याया, रायपुर के कुशाग्र हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सिलेंडर अमेरिका से नहीं, पड़ोस से आता है। अब युवा पृष्ठ रहा है कि जब बंगलुरु में ही 2 करोड़ का पैकेज और विश्वस्तरीय जीवन है, तो मैं मां से 14 हजार किलोमीटर दूर क्यों रहूं? यह मातृभूमि के प्रति प्रेम की पुनर्प्रतीक्षा है। तीसरा, परिवारों के लिए संजीवनी। इसका सबसे मानवीय लाभ हमारे घरों में दिख रहा है।

देश में बैठे माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, भाई-बहन के लिए यह किसी आर्थिक पैकेज से बड़ा है। जब बेटा-बहू अमेरिका में होते थे, तो दादा-दादी वीडियो कॉल पर पोते को देखते थे। अब वही दादा-दादी पोते को कहानी सुना रहे हैं। बुजुर्गों का अकेलापन घट रहा है। परिवार में त्योहार फिर से त्योहार लग रहे हैं। यह वह सुख है, जो डॉलर से नहीं खरीदा जा सकता। चौथा, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 'कुटुंब प्रबोधन' का जो विचार दिया था कि परिवार ही समाज की प्रथम पाठशाला है, यह वापसी उसी को सशक्त कर रही है। जब परिवार साथ रहता है, तो बच्चे अपनी भाषा, अपने त्योहार, अपनी जड़ों से जुड़ते हैं। यह स्वदेशी जीवन-शैली का पुनर्जागरण है। इससे समाज में वह समरसता आएगी जो वृद्धाश्रमों से नहीं, साथ रहने से आती है। पांचवां, भारत के लिए ग्लोबल अनुभव का मुफ्त उपहार। अमेरिका ने 30 साल तक भारतीयों को ट्रेनिंग दी।अब वह ट्रेंड मैनपावर भारत को मुफ्त में मिल रही है। यह ब्रेन ड्रेन का फायदा नहीं, ब्रेन गेन का महाविस्फोट है। हम कह सकते हैं कि अमेरिका के लिए चेतावनी, भारत के लिए अवसर है। अमेरिका ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। 1930 में जब उसने यहूदी वैज्ञानिकों को रोका, तो लाभ अमेरिका को नहीं, जर्मनी को हुआ। आज वही गलती भारतीयों के साथ हो रही है। अमेरिका को समझना होगा कि एक लाख डॉलर की फीस से आप एक भारतीय को रोक सकते हैं, उसके आइडिया को नहीं। वह आइडिया अब बंगलुरु में स्टार्टअप बनेगा, बर्लिन में बिकेगा और दुनिया पर राज करेगा। भारत के लिए फंडिंग आमतकाल का सबसे बड़ा अवसर है। हमें लौटते हुए भारतीयों के लिए रेड कार्पेट ही नहीं, रेड टेप खत्म करना होगा। उनके बच्चों के लिए स्कूलों में दाखिला, बिजनेस के लिए सिंगल विंडो और रिसर्च के लिए फंडिंग आसान करनी होगी। आज कहने का समय है - 'आओ, देश आकर देश को रोशन करो।' जो मेधा समंदर पार गई थी, वह अब समंदर पार कर लौट रही है। यह सिर्फ एक प्रवृत्ति नहीं, भारत के विश्वगुरु बनने की प्रस्तावना है।

(लेखक कुशाग्रदंठ आर्ये पत्रकारित एवं जनसंचार विधिविद्याया, रायपुर के कुशाग्र हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

एकाग्रता के बिना मंत्र जप नहीं हो सकता

एक दिन सरयू नदी के किनारे पर गोस्वामी तुलसीदास प्रवचन दे रहे थे। वे अक्सर यहां प्रवचन देते थे। इस दौरान तुलसीदास लोगों की समस्याओं का समाधान भी करते थे। एक दिन तुलसीदास जी आंखें बंद करके जप कर रहे थे। एक व्यक्ति ने पूछा कि आप आंखें बंद कर किसे याद कर रहे हैं? तुलसीदास बोले कि मेरे राम को। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि तो क्या ये जरूरी है कि भगवान के नाम का जप किया जाए? तुलसीदास जी ने कहा कि हां, ये तो बहुत जरूरी है। नाम जप करने से मन काबू में रहता है। जिन लोगों का मन काबू रहता है, वे शांत रहते हैं। उस व्यक्ति ने फिर पूछा कि जब मैं नाम जप करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है, मुझे क्या करना चाहिए? तुलसीदास जी बोले कि कई लोगों की ये समस्या है, जप में मन नहीं लगता। इस कारण लोग भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें, मन लगे या न लगे, हमें जप करते रहना चाहिए। हमारा मन एक भूमि की तरह है। भूमि में बीज बोने पर उससे पौधा जरूर उगता है, बीज उल्टा गिर या सीधा, पौधा तो उगता ही है। ठीक इसी तरह हमें भी मन में भक्ति का बीज बोते रहना चाहिए। जप के लिए सबसे जरूरी है एकाग्रता। सभी को एकाग्रता की जरूरत है। अंशान्त मन एकाग्र नहीं हो सकता है। जप करते रहेंगे तो मन शांत रहेगा, एकाग्रता बनी रहेगी। जप करने से देर से ही सही, लेकिन इसका सकारात्मक फल जरूर मिलता है।

 ट्रेंड 
आयुर्वेद की भूमिका मोदी सरकार आयुर्वेद को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़कर इस गौरवशाली विरासत को शिव में एक नई पहचान दिला रही है। आइए, हम स्वस्थ भारत के निर्माण में आयुर्वेद की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने का प्रयास करें। - अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री
समाज पर असर राष्ट्रपति की अपील बहुत महत्वपूर्ण है। लोग अपने पारंपरिक कलाकारों को देखते और सुनते हैं, और उनसे प्रभावित भी होते हैं। इसलिए, कलाकारों का हर संदेश समाज पर असर डालता है। असली स्टाए वही है जो सैद्ध और अच्छे नृप्यों का प्रकाश फैलाता है। - शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री
गहरी संवेदनाएं पलामू में करम डाली विस्फोटन के दौरान नदी में कुछ लोगों के डूबने की खबर बेहद दुःखद और गमनाहित करने वाली है। इस दुःखद घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं मार्गम बुरु से प्रार्थना करता हू कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। - हेमंत सोरेन, सीएम, झारखंड
सारथक जीवन जरूरी यह नहीं है कि आप कितने लंबे समय तक जीते हैं, बल्कि यह है कि क्या आप सार्थक जीवन जीते हैं। इसका मतलब पैसा और शौहरद जमा करना नहीं, बल्कि अपने साथी इंसानों की सेवा करना है। - दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

प्लाट और कम्युनिटी हाल की जमीन पर अतिक्रमणकारियों व झुग्गीबासियों का कब्जा है। केवल 48 प्लॉटों का कब्जा सदस्यों को मिला। कब्जा और लीज नवीनीकरण के लिए समिति ने 1997 और 2023 में हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं। पूर्व आदेशों में कलेक्टर को अतिक्रमण हटाकर कब्जा दिलाने तथा लीज नवीनीकरण आवेदन का निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे। याचिका के अनुसार जून 2023 में 3.75 लाख रुपये प्रीमियम और 18 हजार रुपये ग्राउंड रेंट मांगा गया था। बाद में एसडीओ राजस्व ने छ मार्च, 2026 और कलेक्टर ने 13 मार्च 2026 को 2,53,39,950 रुपये शमन शुल्क मांगते हुए सामान्य लीज नवीनीकरण से इंकार कर दिया। समिति ने दोनों अजकारियों के आदेश सहित दो जनवरियों, 2024 के आदेश को चुनौती दी है।

एआई के संभावित खतरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया : वेम्बु

एजेंसी ►► चेन्नई

प्रौद्योगिकी कंपनी जोहो के सह-संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के संभावित खतरों को लेकर जताई जा रही आशंकाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और एआई के विकास पर वैश्विक स्तर पर रोक लगने की संभावना नहीं है।

वेम्बु ने भारत से रणनीतिक विकल्प खुले रखने और विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में बड़े पैमाने पर निवेश करने का आग्रह किया। वेम्बु ने कहा कि भारत को एआई के क्षेत्र में स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाया चाहिए और साझेदारियों का लाभ उठाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और चीन के बीच उभरती प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा में किसी एक पक्ष से बंधने से बचना चाहिए।

खबर संक्षेप

एनटीपीसी ने 3,394 करोड़ का लाभान्श किया भुगतान



नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने शेयरधारकों को 3,393.83 करोड़ रुपये के अंतिम लाभान्श का भुगतान किया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 में कुल लाभान्श भुगतान 8,727 करोड़ रुपये हो गया है।

जिंदल सुपीम का शेयर 38 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। प्लास्टिक पाइप और इससे जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी जिंदल सुपीम इंडिया लिमिटेड का शेयर बुधवार को 93 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 38 प्रतिशत को बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 121.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 31 प्रतिशत अधिक है।

फाइजर नकली दवाओं के जांच में दें रहा सहयोग



नई दिल्ली। कर्नाटक खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की ओर से नकली दवाओं के प्रसार के खिलाफ की गई कार्रवाई पर दवा कंपनी फाइजर इंडिया ने कहा है कि मरीजों की सुरक्षा और उत्पादों की गुणवत्ता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नकली दवाओं के कथित वितरण और बिक्री के मामले में 16 खुदरा तथा थोक दवा विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए गए हैं।

हीरो मोटर्स पहले दिन 17 फीसदी चढ़कर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनी हीरो मोटर्स का शेयर कारोबार के पहले दिन बुधवार को कमजोर शुरुआत से उबरकर 17 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में कंपनी का शेयर 82.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 84 रुपये के निर्गम मूल्य से 2.26 प्रतिशत कम है। हालांकि बाद में शेयर 17.27 प्रतिशत बढ़कर 98.51 रुपये पर बंद हुआ।

एसएस रिटेल का शेयर 80 फीसदी उछलकर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। विभिन्न ब्रांड के मोबाइल फोन बेचने वाली एसएस रिटेल लिमिटेड का शेयर बुधवार को कारोबार के पहले दिन 424 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 51 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। अंत में 80 प्रतिशत से अधिक का अंतर 59,400 करोड़ रुपए

■ दोनों अमीर परिवारों के बीच संपत्ति का अंतर 59,400 करोड़ रुपए

अमीर भारतीयों पर जारी 2026 की सूची के मुताबिक, अदाणी परिवार की संपत्ति 13 प्रतिशत बढ़कर 9.23 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जबकि अंबानी परिवार की संपत्ति 10 प्रतिशत घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपये रह गई है। इस तरह दोनों अमीर परिवारों के बीच संपत्ति का अंतर 59,400 करोड़ रुपये रहा।

जोहो के सह-संस्थापक ने वैश्विक रोक को अव्यावहारिक बताया

सरकारें प्रौद्योगिकी के विकास में पीछे रहेंगी

विनियमन के बारे में वेम्बु ने कहा कि सरकारें संभवतः प्रौद्योगिकी के विकास से पीछे रहेंगी, जैसा कि पहले की प्रौद्योगिकियों के मामले में भी हुआ है। उन्होंने एआई के विकास की तुलना वाहन उद्योग के शुरुआती दौर से की, जब कारों का इस्तेमाल व्यापक होने के बाद लाइसेंस, गति सीमा और सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम बनाए गए थे।

अपने विकल्प खुले रखना चाहिए

जोहो के मुख्य वैज्ञानिक एवं सह-संस्थापक वेम्बु ने कहा, /"हमें सभी के साथ मिश्रित रहना चाहिए, किसी का दुश्मन नहीं बनना चाहिए और अपने विकल्प खुले रखने चाहिए। उन्होंने बुनियादी अनुसंधान एवं विकास में व्यापक निवेश की जरूरत बताई और दीर्घकालिक वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं तथा वैश्विक कंपनियों द्वारा अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास और इस्तेमाल पर खर्च की जा रही बड़ी रकम के बीच अंतर बताया।



एआई मॉडल विकास के लिए बड़े निवेश की जरूरत नहीं

सह-संस्थापक ने कहा कि बुनियादी क्षमताएं विकसित करने के लिए अत्याधुनिक एआई मॉडल के विकास जितने बड़े निवेश की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, /"इस पर 10 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करने की जरूरत नहीं है और यह 10-20 करोड़ अमेरिकी डॉलर में किया जा सकता है।" वेम्बु ने कहा कि वह उन आशंकाओं से सहमत नहीं है कि एआई अनिवार्य रूप से मानवता का विनाश कर देगा।

रोक लगाने की मांग खारिज की

वेम्बु ने कहा कि इसका अर्थ यह है कि एआई के लिए नियामकीय व्यवस्था संभवतः प्रौद्योगिकी के साथ-साथ विकसित होगी, जरूरी नहीं कि उससे पहले तैयार हो। वेम्बु ने एआई के विकास पर दुनियाभर में रोक लगाने की मांग को भी खारिज किया।

कर्मचारियों को कौशल अपने पास रखना चाहिए

जोहो के सह संस्थापक ने कहा कि कर्मचारियों को महत्वपूर्ण कौशल अपने पास बनाए रखने चाहिए, न कि उन्हें एआई तंत्र के हवाले कर देना चाहिए। इस मुद्दे का शिक्षा और कार्यबल विकास पर व्यापक असर हो सकता है। एआई अल्पावधि में उत्पादकता बढ़ा सकता है।

पेट्रोलियम कंपनियों को रोजाना 530 करोड़ रुपए का नुकसान

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बीच घरेलू ईंधन कीमतों में बदलाव नहीं होने से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर बढ़ते नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

रेंटिंग एजेंसी इक्रा ने यह बात कही है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को पेट्रोल की बिक्री पर करीब आठ रुपये प्रति लीटर और डीजल पर नौ रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।

वहीं, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) पर सितंबर में प्रति सिलेंडर करीब 300 रुपये का नुकसान हो रहा है। इक्रा ने कहा, /"इन स्तर पर पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को रोजाना करीब 530 करोड़ रुपये का नुकसान होने का



- पेट्रोल की बिक्री पर प्रति लीटर आठ रुपए का नुकसान
- डीजल की बिक्री पर भी नौ रुपए प्रति लीटर की हानि
- एलपीजी सिलेंडर पर 300 रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा

अनुमान है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान के बीच हाल के सप्ताहों में कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है।

"पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने और प्रमुख तेल आपूर्ति मार्गों में व्यवधान से कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है।/"

पहली तिमाही में सिलेंडर पर 500 रु. का नुकसान हुआ था

इक्रा के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में प्रत्येक घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर करीब 500 रुपये का नुकसान हुआ था, जो सितंबर में घटकर करीब 300 रुपये प्रति सिलेंडर रह गया।

भारत का अनोखा फूल, खिलने में लगते हैं 12 साल

तिरुवनंतपुरम।भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है और इसकी वजह सिर्फ यहां की अलग-अलग भाषाएं और संस्कृतियां नहीं हैं। कश्मीर की बर्फीली वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्री किनारों तक प्रकृति ने हर इलाके को अपने अलग रंग से सजाया है। कहीं ऊंचे पहाड़ हैं, कहीं घने जंगल, कहीं रेगिस्तान तो कहीं ऐसी घाटियां हैं, जहां पहुंचकर लगता है जैसे प्रकृति ने खुद कोई खूबसूरत तस्वीर बना दी हो। इन्हीं कुदरती नजारों के बीच केरल की पहाड़ियों में एक ऐसा फूल खिलता है, जिसका इंतजार लोगों को पूरे 12 साल तक करना पड़ता है। नाम है नीलकुरिजी।

केरलम की पहाड़ियों में मिलता है ये फूल

केरलम को 'इश्वर का अपना देश' कहा जाता है। यहां समुद्र, झरने, जंगल और पहाड़ मिलकर इसे बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इसी राज्य में बसा है मुन्नार, जो समुद्र तल से करीब 1600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। मुन्नार घाट, कोंफी और मसालों के बागानों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवा, हरियाली और पहाड़ियों का नजारा हर साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। लेकिन, मुन्नार की पहचान सिर्फ इन चीजों तक ही नहीं है। यहां एक ऐसा फूल भी खिलता है, जो इस जगह को बाकी हिल स्टेशनों से अलग बना देता है। यह फूल है नीलकुरिजी, जो अपनी दुर्लभता और खूबसूरती के लिए जाना जाता है।

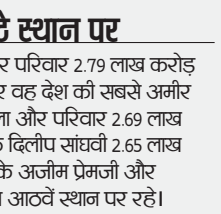


खिलता है तो बदल जाता है पूरा नजारा

नीलकुरिजी की सबसे खास बात इसका खिलने का चक्र है। यह फूल करीब 12 साल में एक बार खिलता है। यानी अगर किसी ने इसे एक बार देखा, तो अगली बार उसी नजारे को देखने के लिए उसे लगभग 12 साल इंतजार करना पड़ सकता है। केरलम में इसे आमतौर पर 'कुरिजी' कहा जाता है। यह स्ट्रोबिलीथेस समूह से जुड़ा पौधा है। इस समूह की भारत में कई प्रजातियां पाई जाती हैं और सभी के फूल खिलने का समय एक जैसा नहीं होता। कुछ प्रजातियां कुछ साल के अंतराल पर खिलती हैं, जबकि कुछ की इससे भी ज्यादा समय लगता है। नीलकुरिजी का लंबा अंतराल ही इसे इतना खास बनाता है।

वो गांव, जहां हर घर में बनते हैं खिलौने, दुनियाभर में इसकी धूम

बेंगलुरु। प्लास्टिक और डिजिटल गैजेट्स के आधुनिक युग में कर्नाटक का एक छोटा सा कस्बा आज भी भारत की प्राचीन हस्तशिल्प परंपरा की मशाल को रोशन किए हुए है। बेंगलुरु से मैसूर राजमार्ग पर लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चन्नपटना को दुनिया भर में 'खिलौनों का शहर' के नाम से जाना जाता है। लगभग तीन शताब्दियों पुरानी इस अद्भुत कला को यहां की मावी पीढ़ियों ने न केवल सहेज कर रखा है, बल्कि इसे गांव के हर दूसरे घर की प्राथमिक आजीविका का जरिया भी बना दिया है। 2006 में चन्नपटना के लकड़ी के खिलौनों की भौगोलिक संकेत यानी जीआई टैग प्रदान किया गया था, जिसने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई। चन्नपटना की इस बेमिसाल काफ़ट कला का इतिहास 18वीं सदी में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के शासनकाल से जुड़ता है। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, टीपू सुल्तान फारसी कला और हस्तशिल्प के मुरीद थे। उन्होंने अपने दौरे में फारस (आधुनिक ईरान) से कुशल कारीगरों को आमंत्रित किया था, ताकि वे स्थानीय कारीगरों को लकड़ी पर लैकवेयर (लाक) की कौटिंग करने और उस पर बारीक नक्काशी का शिल्प सिखा सकें। उस्ताद बावास मिया को इस पारंपरिक लकड़ी कला को चन्नपटना में स्थापित करने और स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने का श्रेय दिया जाता है। आज इस कस्बे में 1500 से भी अधिक पंजीकृत कारीगर दिन-रात इन पारंपरिक खिलौनों के निर्माण में जुटे हुए हैं। स्थानीय कला को वैश्विक बाजार से जोड़ने और कारीगरों की आजीविका को आधुनिक आधार देने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा 'चन्नपटना काफ़्ट्स पार्क' की स्थापना की गई है। इस पार्क में 15 से अधिक आधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट यूनिट्स का एक सुसंगठित वलस्टेर मौजूद है, जो कारीगरों को बेहतर डिजाइनिंग, लेथ मशीनों और अंतरराष्ट्रीय निर्यात के अवसर मुहैया कराता है।



कुमार मंगलम बिड़ला छठे स्थान पर

एचसीएल की रोशनी नादर मल्होत्रा और परिवार 2.79 लाख करोड़ रुपये के साथ पांचवें स्थान पर रहा और वह देश की सबसे अमीर महिला बनी रहीं। कुमार मंगलम बिड़ला और परिवार 2.69 लाख करोड़ रुपये के साथ छठे, सन फार्मा के दिलीप सांघवी 2.65 लाख करोड़ रुपये के साथ सातवें और विप्रो के अजिमी प्रेमजी और परिवार 2.63 लाख करोड़ रुपये के साथ आठवें स्थान पर रहे।



अदाणी परिवार की संपत्ति 13 फीसदी बढ़कर 9.23 लाख करोड़ हुई

गौतम अदाणी फिर बने सबसे अमीर भारतीय : हुरुन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

गौतम अदाणी एवं परिवार ने मुकेश अंबानी एवं परिवार को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे अमीर लोगों की सूची में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। एम3एम हुरुन इंडिया की नवीनतम सूची में यह जानकारी दी गई है।

अमीर भारतीयों पर जारी 2026 की सूची के मुताबिक, अदाणी परिवार की संपत्ति 13 प्रतिशत बढ़कर 9.23 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जबकि अंबानी परिवार की संपत्ति 10 प्रतिशत घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपये रह गई है। इस तरह दोनों अमीर परिवारों के बीच संपत्ति का अंतर 59,400 करोड़ रुपये रहा।

अंबानी परिवार की संपत्ति घटकर 8.63 लाख करोड़

वहीं, अंबानी परिवार की संपत्ति 2017 के 2.58 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 10.15 लाख करोड़ रुपये हुई, लेकिन इसके बाद लगातार दो वर्षों में घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपये रह गई। भारत में कम-से-कम 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,810 हो गई है, जो एक साल पहले की तुलना में 128 अधिक है।

वेदांता के अगवाल नौवें स्थान पर

वेदांता के अनिल अगवाल और परिवार 2.08 लाख करोड़ रुपये के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि टोरेट फार्मास्यूटिकल्स से जुड़े समीर मेहता और परिवार 1.89 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए।

कुमार मंगलम बिड़ला छठे स्थान पर

एचसीएल की रोशनी नादर मल्होत्रा और परिवार 2.79 लाख करोड़ रुपये के साथ पांचवें स्थान पर रहा और वह देश की सबसे अमीर महिला बनी रहीं। कुमार मंगलम बिड़ला और परिवार 2.69 लाख करोड़ रुपये के साथ छठे, सन फार्मा के दिलीप सांघवी 2.65 लाख करोड़ रुपये के साथ सातवें और विप्रो के अजिमी प्रेमजी और परिवार 2.63 लाख करोड़ रुपये के साथ आठवें स्थान पर रहे।

अदाणी की संपत्ति 2024 में 11.62 लाख करोड़ पहुंची थी

अदाणी परिवार 2022 में शीर्ष पर रहा, 2023 में दूसरे स्थान पर खिसका, 2024 में फिर पहले स्थान पर पहुंचा, 2025 में दूसरे स्थान पर रहा और अब 2026 में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। सूची के मुताबिक, अदाणी परिवार की संपत्ति 2024 में 11.62 लाख करोड़ रुपये के शिखर पर पहुंची थी, जो 2025 में घटकर 8.15 लाख करोड़ रुपये रह गई लेकिन अब बढ़कर 9.23 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

लक्ष्मी मितल तीसरे स्थान पर पहुंचे

इस्पात उद्यमी लक्ष्मी निवास मितल और परिवार 93 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3.39 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए। हुरुन के अनुसार, यूरोप में इस्पात की ऊंची कीमतों और व्यापार संरक्षण से उनकी संपत्ति में बढ़ोतरी हुई। सीरम इंस्ट्रिट्यूट के साइरस पूनावाला और परिवार 3.03 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर रहे।

1266 लोगों ने खुद के दम पर बनाई संपत्ति

इस क्षेत्र से 19 लोग सूची में शामिल हुए, जिनकी कुल संपत्ति 3.07 लाख करोड़ रुपये है। बेंगलुरु की व्यूपीआईईआई के संस्थापक नागेन्द्र नागराजा 1,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में शामिल होने वाले पहले क्वांटम कंप्यूटिंग उद्यमी बने। सूची में उद्यमियों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है। कुल 1,266 लोग खुद के दम पर संपत्ति बनाने वाले हैं।

रोशनी नादर बनी सबसे अमीर महिला

रोशनी नादर मल्होत्रा और परिवार 2.79 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ देश की सबसे अमीर महिला बनी हुई हैं। इस सूची में भारत से बाहर रहने वाले 156 लोग भी शामिल हैं, जिनमें 90 अमेरिका और 31 संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहते हैं। वर्युपिड के आदित्य कुमार हलवारिया की संपत्ति में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। उनकी संपत्ति 859 प्रतिशत उछलकर 18,800 करोड़ रुपये हो गई।

साल भर में अरबपतियों की संख्या 391 हुई

इन धनवान भारतीयों की कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 187.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो करीब 1.96 लाख करोड़ डॉलर के बराबर है। हुरुन के मुताबिक, देश में डॉलर के हिस्से में अरबपतियों की संख्या साल भर में 21 बढ़कर सिलेक्ट 391 हो गई है। पांच साल पहले यह संख्या 237 थी। इस सूची में पहली बार कृत्रिम मेधा (एआई) की अलग क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है।

नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण की किफायती खरीद पर विचार-मंथन

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

►► प्रदेश की 32 हजार मेगावाट ऊर्जा क्षमता में से 30 फीसदी क्लीन एनर्जी का

►► मुख्यमंत्री ने ऑल इंडिया डिस्कोम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, पाँवर कट से पावर सरप्लस स्टेट अर्थात बिजली गुल से बिजली फुल राज्य बना है। हमारा प्रदेश आज देश के उन चुनिंदा राज्यों में से एक है जो अपनी ऊर्जा जरूरत से आगे बढ़कर देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। आज मध्यप्रदेश में 32 हजार मेगावाट की ऊर्जा क्षमता है, जिसमें से 30 फीसदी हिस्सा क्लीन एनर्जी का है। डॉ यादव नवकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण की किफायती खरीद विषय पर आयोजित ऑल इंडिया डिस्कोम एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण कम्पनियों के इस साझा मंच से ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों के ठोस समाधान निकलेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पुस्तक ‘सैलियंट पाँवर स्ट्रेटिस्टिक्स वर्ष 2024-25 से 2025-26’ विमोचन किया।

पावर कट से पावर सरप्लस अर्थात बिजली गुल से बिजली फुल राज्य बना मध्यप्रदेश: सीएम डॉ.यादव



कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम डॉ. मोहन यादव ।

सस्ती मरोसेमंद बिजली के लिए उपयोगी कार्यशाला

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र अभूतपूर्व बदलाव से गुजर रहा है। हमारी जिम्मेदारी केवल बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करना नहीं, बल्कि उसे विश्वसनीय, टिकाऊ और किफायती बनाना है। भविष्य के लिए हमें सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण का ऐसा संगुलित मिश्रण विकसित करना होगा, जिससे ऊर्जा संक्रमण की लागत न बढ़े और उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार न पड़े।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर और मध्यप्रदेश शासन के बीच हुआ एमओयू



फॉरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार से ही यह संभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और राज्य शासन के बीच हुआ एमओयू तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और राजीव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच हुआ रिलेशनशिप एग्रीमेंट साइबर क्षेत्र में सर्तकता और डिजिटल फोरेसिक्स में दक्षता का विस्तार करेगा।

मुख्यमंत्री ने खेती के साथ पशुपालन, दूध उत्पादन और नई तकनीक अपनाने के लिए किसानों को किया प्रेरित

मोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि हमारा संकल्प है। किसानों के लिए खेती के साथ पशुपालन, दूध उत्पादन में नई तकनीक अपनाना जरूरी है। किसानों की ओर से किए जा रहे नवाचार और कृषि उद्योगों की स्थापना से दिन-प्रतिदिन स्थितियां बदल रही हैं। मऊगंज भले ही नया जिला है, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत और यहां के लोगों के परिश्रम से जिले का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मऊगंज में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव की मंत्रालय से वरुंअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मऊगंज के कार्यक्रम में शामिल हो रहे किसानों और जन सामान्य को डोल ग्यारस की बधाई दी। उन्होंने देव तालाब में विराजे मोलेनाथ और अट्टबुजा महाराजी को वरुंअली नमन भी किया।

स्टार्टअप संवाद के तहत 27 को युवाओं से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम डॉ. मोहन यादव रविवार 27 सितंबर को आरसीवीपी नरोन्हा अकादमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में सुबह 9 बजे से मुख्यमंत्री स्टार्टअप के तहत युवाओं से संवाद करेंगे। संवाद में प्रदेश से लगभग 200 स्टार्टअप संचालक सम्मिलित होंगे। एमएसएमई आयुक्त कुमार पुरषोत्तम ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारियों से अपने जिले के नव उद्यमियों को संवाद में सहभागिता करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में भी अधिकारियों के साथ समीक्षा की। स्टार्टअप संवाद में मुख्यमंत्री डॉ यादव प्रदेश के युवा, नवाचारी एवं उमरते हुए स्टार्टअप उद्यमियों से सीधे संवाद करेंगे। यह संवाद प्रदेश में विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम, युवाओं की उद्यमशील सोच, नवाचार तथा रोजगार सृजन की संभावनाओं को समझने और उन्हें प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ

अभियान के माध्यम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें कार्यकर्ता



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने मंगलवार को मुरैना के होटल इंद्रलोक में ‘सेवा संकल्प अभियान’ को लेकर चंबल संभाग की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता सेवा का माध्यम है। कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान में जन-जन से संपर्क कर सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि लाभार्थी परिवारों से बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश शासन के मंत्री राकेश शुक्ला एवं पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ मंचासीन रहे।

नगरीय निकाय कर्मचारियों की मांगों पर राज्य मंत्री से चर्चा

भोपाल। नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारियों, दैनिक वेतनभोगियों और पेंशनर्स की विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी से मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सोलंकी एवं अन्य प्रदेश पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रतिनिधिमंडल ने मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मांगों पर राज्य मंत्री के समक्ष विस्तार से चर्चा की गई।

पूर्व प्रेमी की करतूत, लोहे की पाइप लेकर घर में घुस गया था रायपुर के गुढ़ियारी से अपहृत मासूम की हुई नागपुर से रिहाई, आरोपी को किया गिरफ्तार

मासूम की मां को जान से मारने की धमकी दी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

गुढ़ियारी के कलिंग नगर में पड़ोसी और पूर्व प्रेमी पर महिला के घर में घुसकर उसके एक वर्ष दो माह के बेटे के अपहरण का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने एक्शन लते हुए अपहृत मासूम की नागपुर से सकुशल रिहाई करा ली है। अपहर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने मंगलवार 22 सितंबर को शिकायत की थी कि पवन साह उनके कलिंग नगर स्थित आवास के पास रहता है। वे पति और दो बच्चों के साथ रहती हैं। 22 सितंबर को दोपहर करीब दो बजे वह घर की दूसरी मंजिल पर स्थित रसोई में खाना बना रही थी। उसका छोटा बेटा पृथ्वी ध्रुव पास में फर्श पर खेल रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला पवन साह लोहे की पाइप लेकर घर में घुस गया।

अगस्त में बच्चे को लेकर नागपुर गई थी महिला

महिला ने पुलिस को बताया कि पवन साह उसके पड़ोस में रहता है और करीब एक साल से उसकी पहचान थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए थे। अगस्त में वह अपने छोटे बेटे को साथ लेकर पवन के साथ नागपुर चली गई थी। महिला के अनुसार वह वहां पवन की नानी के घर करीब 20 दिन तक रही। बाद में रिश्तेदारों के बुलावे पर वह रायपुर लौट आई और अपने पति के साथ रहने लगी। पिछले एक महीने से वह पति और दोनों बच्चों के साथ कलिंग नगर स्थित घर में रह रही थी।

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि निवेशकों से कहा कि उद्योग की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वे स्वयं हर रोज शो में निवेशकों के साथ संवाद करते हैं। उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी भी रहते हैं, ताकि निवेश से जुड़ी समस्याओं और आवश्यकताओं का तत्काल समाधान किया जा सके। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को जरूरतों के अनुरूप सुविधाएं और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बेंगलुरु में उद्योगपतियों और प्रमुख निवेशकों से वन-टू-वन संवाद किया। बेंगलुरु के तकनीकी इको सिस्टम और मग्न के औद्योगिक आधार के समन्वय से प्रदेश में नवाचार और रोजगार के नए आयाम स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम. सेलवेंद्रन, प्रबंध संचालक एमपीआईडीसी चंद्रमौली शुक्ला सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइनिंग का प्रमुख केंद्र बनेगा मग्न

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सेमीकंडक्टर और चिप डिजाइनिंग के क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने विस्तृत चर्चा की। असेइक मावेन सिलिकॉन के संस्थापक एवं सीईओ शिवकुमार पी.आर ने प्रदेश में कुल 100 करोड़ रुपये के निवेश से चिप डिजाइनिंग हाउस स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसके प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कोर-आईसी टेक्नोलॉजीज प्रायवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं सीईओ पंकज गर्ग ने भी विभिन्न चरणों में कुल 100 करोड़ रुपये के निवेश से चिप डिजाइनिंग सर्विसेज स्थापित करने पर सहमति जताई।

प्रमुख टेक एवं कंसल्टिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बैठक के दौरान एचपी एंटरप्राइजेज की ओर से जीसीसी क्षेत्र में कार्यरत जयंत और सुश्री तारा, जेडस्कैलर आईटी कंपनी की ओर से श्रीनिधि तथा क्वांटम कंप्यूटिंग और एआई क्षेत्र में कार्यरत कंपनी की ओर से अनुराग ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से फुजिजो कंसल्टिंग इंडिया प्रांलि की ओर से विशाल अगस्त्या, कंट्री लीडर, इंडिया

डीपटेक फंडिंग, डेटा सेंटर, स्पेसटेक और सस्टेनेबिलिटी में नए निवेश प्रस्ताव

प्रदेश में स्टार्टअप और नई तकनीकों को गति देने के लिए डीपटेक वेंचर कैपिटल फंड ‘सीफंड’ के नरेंद्र भंडारी ने मग्न के स्टार्टअप के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये की फंडिंग उपलब्ध कराने की योजना प्रस्तुत की। नाइन स्टार्स इन्फ्रैमेशन टेक्नोलॉजीज प्रायवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं सीईओ गोपाल कृष्णन ने मध्यप्रदेश में आधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने पर विमर्श किया। स्पेसटेक के क्षेत्र में गैलेक्सी के सह-संस्थापक रश्मित भट्ट और सुश्री पायल दवे ने अपनी सहभागिता को लेकर संवाद किया। इसके अलावा, मोबिलिटी एवं बाइक शेयरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली तथा पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी क्षेत्र में कार्य कर रही कंपनी डोनाउ कार्बन इंडिया के सीईओ व एमडी श्री वीरेंद्र चौधरी ने भी प्रदेश में अपनी योजनाओं को लेकर चर्चा

एवं कंसल्टिंग लीड, ग्लोबल डिलीवरी यूनिट तथा इनफिनिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नितिन मेहता, चीफ एजीक्यूटिव ऑफिसर एवं कंट्री हेड ने भी भेंट की।

अधिकारियों की मास्टर क्लास

हरिभूमि न्यूज़ ►► अंबिकापुर

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के परिपालन में सरगुजा रेंज में नवीन आपराधिक कानूनों में अनुरूप ज्ञान एवं कौशल सवर्द्धन के लिए विशेष रीफ्रेश कोर्स का शुभारंभ किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में रक्षित केंद्र अंबिकापुर में इस कोर्स की शुरुआत हुई। आईजी दीपक झा ने पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण में सिखाई बातों को कार्यव्यवहार और प्रकरणों की जांच में उपयोग में लाने प्रेरित किया। उन्होंने पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने

अंबिकापुर में नए कानूनों पर खाकी का मंथन 2018 पुलिस विवेचकों को मिलेगा प्रशिक्षण



की समझाइश दी। पुलिस विभाग के वरिष्ठ आरक्षक से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी के लिए यह रीफ्रेश कोर्स है। इसका मुख्य उद्देश्य आईसीजेएस के तहत लागू नवीन आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) का मैदानी स्तर पर

प्रभावी क्रियान्वयन और गंभीर प्रकरणों में विवेचकों को तकनीकी साक्ष्यों के बारे में दक्ष करना है। रेंज स्तर पर आयोजित इस कोर्स के प्रत्येक बैच में लगभग 180 अधिकारी-कर्मचारियों को शामिल किया गया है। रेंज के लगभग 2018 विवेचकों में से शेष 1838 विवेचकों का प्रशिक्षण आगामी छह नवंबर तक निरंतर बैचवार करारक पूर्ण किया जाएगा। प्रशिक्षण को अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए इकाई स्तर से आए मास्टर ट्रेनर्स के अलावा रेंज स्तर के लोक अभियोजन अधिकारियों, फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों, डिजिटल और फोरेंसिक टीम, सीसीटीएसएस के विशेषज्ञों और साइबर अपराध विशेषज्ञ फैकल्टी बनेंगे।

वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर ‘जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा’ मग्न पहुंची

जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा सिर्फ सफर नहीं, यह जन-जन से जुड़ने का सशक्त माध्यम



पौधारोपण कर बोरी बंधान कर किया समरसता भोज

डॉ. जोशी ने मंगलवार को धार गाम्भीरी जिले के बाकानेर में सेवा यात्रियों के साथ पौधारोपण, बाकानेर के गटवाल नदी पर श्रमदान, पिपलदागड़ी पहुंचकर गौशाला की सफाई तथा खलदाज स्थित मुनि बाबा आश्रम में सेवा यात्रियों और लगभग 50 ग्रामीण परिवारों के साथ आत्मीयता से समरसता भोज किया। साथ ही गोताखोरों का सम्मान किया और सजावट में युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया।

पन्ना के इटाखा खास और मड़ला में हुआ स्वागत

मार्ग क्रमांक-11 की जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा पन्ना जिले के इटाखा खास होते हुए मड़ला पहुंची। यात्रा के पहाड़ीखेड़ा में भाजपा के राष्ट्रीय प्रकोष्ठ संकुल संयोजक व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं पूर्व मंत्री व विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा यात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा बढ़वानी जिले के पानसेमल से राजपुर-जुलवानिया पहुंची, जहां पुष्पवर्षा की। यात्रा का रात्रि विश्राम रतलाम जिले के आलोट में हुआ।

मोसिंगटन। 2015 में नवंबर में क़रीब 3.02 डिग्री सेल्सियस का था, जो इस बार सितंबर में ही पहुंच गया है। सामान्य दो महीने पहले ही इस तापमान 3.05 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अल-नीनो के अचरम भी तेज हो रहा है और दिसंबर तक अपने अचरम पर पहुंच सकता है। अल-नीनो के प्रभावों का प्राकृतिक जलवायु घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर में पूर्वी और मध्य हिस्से का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है, जो हवाओं में बदलाव से शुरू होता है। गर्म पानी से जलवाष्पीकरण बढ़ जाता है, जो पूरी दुनिया के मौसम पैटर्न को प्रभावित करता है।

क्या होगा दुनिया पर प्रभाव?

दुनिया में अल-नीनो का प्रभाव अलग-अलग क्षेत्रों में अलग होता है। अमेरिका में इस सर्दी में उबरी ज्य्यादा प्रभाव पड़ सकता है। उत्तरी इलाके में सामान्य से ज्यादा गर्मी, पश्चिमी-मध्य हिस्सों में ज्यादा गर्मीवादी हो सकती है। दक्षिण अमेरिका में पेरू और चिली में भारी बारिश और बाढ़ की घटनाएं पहले से देखी जा रही हैं। मध्य अमेरिका और कैरीबियन में सूखा पड़ने की संभावना है।

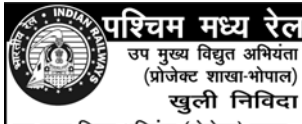
- निफ्टी 118 अंक गिरकर 23,450 के करीब

लिवाली की जिससे घरेलू शोयर बाजार में तेजी रही। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद और अमेरिकी तेल मानक वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई।”

■ घरेलू यात्री संख्या घटकर
121.26 लाख पर आई

■ अगस्त में गिरावट 6.34% रही -डीजीसीए

स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी भी जुलाई के 1.6 प्रतिशत से घटकर 1.2 प्रतिशत रह गई।



 **स्वच्छ भारत अभियान**
एक कदम स्वच्छता की ओर


स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत टेकेदारों से ऑन-लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट <http://mptender.gov.in> पर देखा जा सकता है।

कार्यापालक रांजी

कार्यालय नगर पालिक निगम
छिंदवाड़ा (म.प्र.)

वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यालय नगर परिषद बड़कुही तह० परासिया जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
क्रमांक/1587/न.पा./2026 // निविदा सचना // बड़कुही दिनांक- 23/9/2026

शर्तें - (1) निविदा वेबसाईट <https://www.gem.gov.in> के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। (2) निविदा प्रारम्भ की दिनांक 22.09.2026 एवं निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 13.10.2026 है।

नोट (1) निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन की स्थिति में केवल ऑनलाईन (GEM) में संशोधन किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद बङ्कुही

Director Principal
 231, Gopal Vihar, Near Damoh Naka Jabalpur
 adityacollegejabalpur@gmail.com | 8964830523, 9425863954

लोक सुनवाई के संबंध में आम सूचना

(डॉ अशोक तिवारी)
क्षेत्रीय अधिकारी

लोक सुनवाई के संबंध में आम सूचना

उक्त प्रस्तावित मारबल ब्लॉक की लोक सुनवाई तिथि/दिनांक 28.10.2026, समय दोपहर 02.00 बजे, स्थान- खदान क्षेत्र ग्राम भलवार, तहसील बिलासपुर, जिला उमरिया (म.प्र.) में निर्धारित की गयी है, जिसमें इच्छुक व्यक्ति/नागरिकगण सम्मिलित होकर प्रस्तावित मारबल के त्वारी संबंध में अपने मत / सुझाव / विचार / टीका टिप्पणी एवं आपत्ति लिखित अथवा मौखिक रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।

(डॉ अशोक तिवारी)
क्षेत्रीय अधिकारी

खबर संक्षेप

कटाये घाट एवं अमीरगंज तालाब में गणेश विसर्जन प्रतिबंधित

कटनी। गणेश विसर्जन को लेकर प्रशासन ने आदेश जारी करते हुए कटाये घाट एवं अमीरगंज तालाब में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन प्रतिबंधित किया है। यहां नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट श्रीमती आर्वतिका तिवारी तथा सहयोगी अधिकारी जिला खेल अधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिल गणकार और जिला परियोजना समन्वयक प्रेम नारायण तिवारी की इयूटी लगाई गई है। सभी विसर्जन स्थलों पर सहयोगी अधिकारियों की इयूटी प्रातः 7 बजे से दोपहर 1 बजे, दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तथा शाम 7 बजे से प्रतिमा विसर्जन समाप्त होने तक अलग-अलग पालियों में निर्धारित की गई है।

जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी 26 को

कटनी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकसित भारत की संकल्पना पर शनिवार, 26 सितंबर को दोपहर 12 बजे से सांदीपनि विद्यालय झिंडसरी में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आयोजन की तैयारियों के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर अधिकारियों-कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमया असाटी को दी गई है। प्रदर्शनी स्थल की व्यवस्था प्राचार्य अजयशंकर पाण्डेय एवं प्राचार्य श्रीमती अनीता तिवारी संभालेंगी। प्रतिभागियों के पंजीयन एवं प्रमाण-पत्र लेखन का दायित्व बीआरसी मनोज गौतम सहित संबंधित सदस्यों को सौंपा गया है। मंच, बैठक, साउंड एवं अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित समितियों द्वारा की जाएंगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी सदस्यों को सेवा संकल्प अभियान के जिला नोडल अधिकारी श्री राजेश अग्रहार से सम्बन्ध कर आयोजन सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

अनंत चतुर्दशी एवं पर्युषण पर्व के अंतिम दिवस पर मांसाहारी पदार्थों का विक्रय रहेगा प्रतिबंधित

कटनी। शासन निर्देशानुसार शुक्रवार 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी एवं पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस होने के कारण नगर निगम सीमा क्षेत्र में मांसाहारी पदार्थों का क्रय-विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नगर निगम उपायुक्त श्रीमती प्रियंका झारिया ने बताया कि शासन निर्देशों के अनुपालन में 25 सितंबर को मुर्गा, मुर्गी, मांस एवं मछली सहित सभी प्रकार के मांसाहारी पदार्थों का विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। इस संबंध में नगर के समस्त संबंधित व्यवसायियों एवं नागरिकों को निर्धारित तिथि पर मांसाहारी पदार्थों का क्रय-विक्रय न करने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित दिवस पर आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं दुकानद्वारों के विरुद्ध निगमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फौती नामांतरण आदेश का अमल नहीं करने पर पटवारी का एक वेतन वृद्धि रोकी

कटनी मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कच्छवारा में आयोजित शिविर में कलेक्टर के समक्ष प्राप्त शिकायत की जांच के कलेक्टर के निर्देश पर के बाद जांच के दौरान पाया गया कि पटवारी द्वारा फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं किया गया है। इसे लापरवाही मानते हुये तहसील कटनी नगर के ग्राम पटवारा के हल्का नंबर 10 की पटवारी श्रीमती राबिया बानो का आगामी एक वेतनवृद्धि असंवयी प्रभाव से रोक दिया गया है। तहसीलदार कटनी नगर के प्रतिवेदन के अनुसार नायब तहसीलदार वृत्त मझगांव, तहसील कटनी नगर अंतर्गत आवेदक मनोज कुमार भूमिया पिता रामबिहारी भूमिया ने ग्राम पटवारा स्थित खसरा नंबर 576, 246 एवं 247 में दर्ज खातेदार रामबिहारी भूमिया की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण आदेश का राजस्व अभिलेख में अमल नहीं होने की शिकायत की थी। जांच में अंतिम आदेश पारित होने के बावजूद अभिलेख में उसका अमल नहीं किया जाना पाया गया। पटवारी का कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आवरण) नियम, 1965 के नियम 3(1), 3(2) एवं 3(3) का उल्लंघन पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 10 के तहत एसडीएम कटनी श्री जितेंद्र पटेल ने उनकी आगामी एक वेतनवृद्धि असंवयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए गए हैं।

धान की फसल में रोग के नियंत्रण एवं प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग

कटनी धान की फसल में फैल रहे भूरा माहू (बीपीएच) रोग से किसानों को होने वाले नुकसान एवं फसल सुरक्षा को लेकर जिला पंचायत के वरिष्ठ सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय गोठिया ने कलेक्टर आशीष तिवारी को पत्र सौंपा। उन्होंने किसानों की गंभीर समस्या को कलेक्टर के समक्ष रखते हुए रोग के प्रभावी नियंत्रण, प्रभावित फसलों के सर्वेक्षण तथा किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किए जाने की मांग की। पत्र के माध्यम से धान उत्पादक किसानों की चिंताओं से अवगत कराते हुए कहा कि भूरा माहू रोग के कारण किसानों की मेहनत और कृषि लागत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में किसानों को समय पर आवश्यक



कृषि मार्गदर्शन एवं कीट नियंत्रण संबंधी उपाय उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। उन्होंने कलेक्टर से प्रभावित क्षेत्रों में धान की फसल का निरीक्षण एवं सर्वेक्षण कराकर आवश्यक नियंत्रण उपाय सुनिश्चित करने तथा पात्र प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने किसानों के हित में प्रशासन से समन्वय स्थापित कर समस्या के शीघ्र निराकरण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे जिले के धान उत्पादक किसानों को राहत मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेमलाल केवट, घनश्याम हल्दकर, राजेश हल्दकार एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मेरे सपनों का भारत विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कटनी शासकीय कन्या महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत “मेरे सपनों का भारत” विषय पर पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह के संयोजन में हुआ। प्रतियोगिताओं में केंद्र सरकार की महिला हितैषी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण को प्रमुखता से शामिल किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार, सुरक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों पर आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मेधा, द्वितीय स्थान तनिशा सोनखरे, भूमि बैरागी एवं रूकमणी लोधी तथा तृतीय स्थान मनीषा



अहिरवार, नैनशी पटेल एवं साक्षी चक्रवर्ती ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रशिका राज, द्वितीय स्थान रेशमा पासी और

तृतीय स्थान सृष्टि सेन ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को महिलाओं के हित में संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा उनके संबंध में समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ

छात्राओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ उनमें सामाजिक जागरूकता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करती हैं। एनएसएस प्रभारी डॉ. शिल्पी सिंह ने छात्राओं को सामाजिक सरोकारों से जुड़कर सेवा एवं जागरूकता गतिविधियों में निरंतर सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छता के संदेश के साथ सड़कों पर निकली जागरूकता रैली, जनभागीदारी ने बढ़ाया उत्साह



कटनी स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत शहर में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बाबू जगजीवन वाई स्थित एनकेजे बजरिया में ओम साईं

विजन संस्था द्वारा स्वच्छता जनजागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली के माध्यम से स्थानीय नागरिकों के बीच स्वच्छता का संदेश पहुंचाया गया। रैली में शामिल नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए

लोगों को अपने घर, गली और आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने और स्वच्छता व्यवस्था

बनाए रखने में सहयोग करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनभागीदारी से ही स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित शहर का निर्माण संभव है। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें, कचरा इधर-उधर न फेंकें तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग निर्धारित कचरा संग्रहण वाहन में दें। सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के साथ स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर स्वच्छ एवं सुंदर कटनी के निर्माण में सहयोग करें।

जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अनधिकृत एवं व्यावसायिक उपयोग की रोकथाम के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति विभाग ने बुधवार को नगर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई में संयुक्त जांच दल ने दो प्रतिष्ठानों से 8 घरेलू सिलेंडर एवं 2 चूल्हा-भट्टी जब्त किया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने कोतवाली के सामने स्थित श्री गणेश मसाला डोसा तथा मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-01 स्थित फूड प्लाजा रेलवे कैटीन का निरीक्षण किया। दोनों प्रतिष्ठानों में 14.2 किलोग्राम क्षमता के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग खाद्य सामग्री तैयार करने में किया जाना पाया गया। कार्रवाई के दौरान श्री गणेश मसाला डोसा से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी तथा फूड प्लाजा रेलवे कैटीन से 4 सिलेंडर व 1 चूल्हा-भट्टी जब्त की गई। घरेलू एलपीजी



सिलेंडरों का निर्धारित प्रयोजन के विपरीत व्यावसायिक उपयोग द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (अर्पूत) और वितरण का विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। छापामार कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी यज्ञदत्त त्रिपाठी

एवं जितेन्द्र बर्मन तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार एवं नागेश्वर श्रीवास द्वारा संयुक्त रूप से की गई। विभाग ने स्पष्ट किय है कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में निर्धारित मानकों के अनुरूप वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग सुनिश्चित करने तथा घरेलू एलपीजी के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

54.84 बल्क लीटर मदिरा जब्त, आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग ने की कार्रवाई

कटनी

जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध आबकारी विभाग ने स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कौड़िया में कार्रवाई करते हुए 54.84 बल्क लीटर देशी एवं विदेशी मदिरा जब्त की है। जब्त मदिरा की अनुमानित कीमत 60 हजार 342 रुपये है। आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम कौड़िया निवासी आकाश उर्फ शुभम दुबे के रिहायशी मकान की गवाहों के समक्ष विधिवत तलाशी ली। जांच के दौरान सिगनेचर व्हिस्की 12 बोतल, मैकडावल व्हिस्की 13 बोतल, ऑफिसर्स च्वाइस व्हिस्की 12 बोतल, मैजिक मूवमेंट बोदका जामुन 9 बोतल, गोवा व्हिस्की 63 पाव, देशी मसाला 20 पाव एवं देशी प्लेन 30 पाव बरामद हुई। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।



कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी मंशाराम उड्के, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सूर्यभान कोरी एवं प्रवीण रतन वरकडे,

परिवीक्षाधीन आबकारी उप निरीक्षक सीमा कोल, आबकारी मुख्य आरक्षक राजेश गोंठिया एवं किशन लाल बरदिया तथा

आबकारी आरक्षक अनुराग शर्मा, आशुतोष तिवारी, जितेंद्र त्रिपाठी एवं रविराज की भूमिका रही।



शिव शंकर गणेश उत्सव समिति रिछाई नया मोहल्ला

न्यू ज्योति गणेश उत्सव मझौली

वासुदेव गणेश उत्सव मझौली

बस स्टैंड मझौली

उद्योगों की विद्युत समस्याओं पर एमपीपीएमसीएल का सीधा संवाद

जबलपुर।

वित्तीय वर्ष 2027-28 के वार्षिक राजस्व आवश्यकता (ARR) प्रस्ताव से पूर्व उद्योग जगत की विद्युत संबंधी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने के लिए एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने भोपाल में औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ सम्मेलन आयोजित किया। अध्यक्षता एमपीपीएमसीएल के प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने की। सम्मेलन में करीब 25 औद्योगिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें

महाकौशल उद्योग संघ सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, टैरिफ एवं डिमांड चार्ज में राहत, न्यूनतम शुल्क सामान करने, kVAH आधारित बिलिंग, लोड फैक्टर आधारित

ऊर्जा शुल्क तथा विद्युत चोरी एवं एटी एंड सी हानियां कम करने जैसे मुद्दे उठाए। औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत व्यवधान एवं तकनीकी हानियां घटाने के लिए भूमिगत केबलिंग पर भी जोर दिया गया। मुख्य महाप्रबंधक रेवेन्स्यू मैनेजमेंट शैलेंद्र सक्सेना ने विद्युत एवं टैरिफ संबंधी जानकारी दी। MPIDC अधिकारियों ने उद्योगों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों एवं सुविधाओं की जानकारी दी। प्रबंध संचालक विशेष गढ़पाले ने सुझावों पर व्यावहारिक समाधान की दिशा में कार्य करने का आश्वासन दिया।

जनभागीदारी से मजबूत होगा सेवा का संकल्प : राकेश सिंह

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, समर्पण एवं सुशासन के उपलक्ष्य में निकाली जा रही 'सेवा संकल्प यात्रा' का रांझी में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अशोक राहणी, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इंजीनियरिंग कॉलेज रांझी में पौधारोपण के बाद यात्रा सतपुला, कांचघर, घमापुर, बेलबाग, ओमती, मालवीय चौक होते हुए शहीद स्मारक गोलबाजार पहुंची, जहां सेवा संवाद हुआ। राकेश सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा जनभागीदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दे रही है। रत्नेश सोनकर ने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, गौसेवा एवं जलसंवाद को अभियान की प्रमुख गतिविधियां बताया। कार्यक्रम में गौतम चौहान, योगेंद्र सिंह, गौरव राजावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सक्षम ने श्रद्धा एवं उत्साह से मनाई महामुनि अष्टावक्र जयंती



जबलपुर। समृद्धि क्षमता विकास अनुसंधान मंडल (सक्षम) द्वारा रानीलाल स्थित कार्यालय सभागार में महामुनि अष्टावक्र जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महामुनि अष्टावक्र के चित्र के ससक्षम दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अध्यक्षता डॉ. पवन स्थापक ने की, जबकि मुख्य वक्ता पीयूष जैन रहे। वक्ताओं ने महामुनि अष्टावक्र के जीवन, उनके व्यक्तित्व एवं राजा जनक के दरबार में हुए प्रसिद्ध शास्त्रों पर प्रकाश डाला। साथ ही 'अष्टावक्र गीता' के दार्शनिक महत्व पर चर्चा की गई। परिचर्या में कार्यकर्ताओं एवं प्रत्यक्षजनों ने सहभागिता ली। कार्यक्रम में सक्षम जबलपुर अध्यक्ष सुनील पाठक, महाकौशल प्रांत सह सचिव अक्षय सोनी, कोषाध्यक्ष डॉ. अंकित सेठ, जिला सचिव प्रमत्त महाेश्वरी, रोटेरी साउथ अट्रैक्स अखिल खंडेलवाल, प्रचार प्रमुख वरेन्द्र मालवीय, धीमेहि प्रकोष्ठ प्रमुख खमाला देवी, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, देवेन्द्र सोनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर सुनील पाठक ने आभार व्यक्त किया।

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा 26 को

जबलपुर। चातुर्मास विश्राम के बाद भेंड़ाघाट स्थित हेरे कृष्णा आश्रम में नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की भगवान राधा-कृष्ण, लड्डू गोपाल एवं तुलसी मैया के साथ 108 परिक्रमा का आयोजन 26 सितंबर, शनिवार, भादों पूर्णिमा को किया जाएगा। परिक्रमा सुबह 6 बजे संकीर्तन के साथ प्रारंभ होगी। आयोजन में श्रद्धालु संकीर्तन करते हुए परिक्रमा में शामिल होंगे। नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धार्मिक आयोजन में सहभागी बनने की अपील की है। इस अवसर पर संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा, विनोद दीवान, मनोज गुलाबबानी, दुर्गा पटेल, शिव कुमार पटेल, विनोद विश्वकर्मा एवं कैलाश विश्वकर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे।

श्री संदीप बिरहा का निधन



झारका नगर कछियाला निवासी स्व. लल्लू राम बिरहा के पुत्र संदीप बिरहा (मोला) का 45 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह श्याम नारायण बिरहा के भतीजे एवं सतीश, संजीत, प्रमोद, पंकज बिरहा के भाई थे। अंतिम यात्रा आज उनके निज निवास से प्रातः 11 बजे करिया पाथर शमशान भूमि के लिए रवाना होगी।

पाटन में लगेगा रोजगार मेला 28 को

पाटन। शोभा सिंह यादव शासकीय महाविद्यालय, पाटन में 28 सितंबर को वृहद युवा संगम कार्यक्रम (रोजगार मेला) आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन, जिला रोजगार कार्यालय जबलपुर, शासकीय आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जबलपुर तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में होगा। रोजगार मेले में लगभग 15 प्रतिष्ठित संस्थाओं एवं कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर	सार्वजनिक सूचना	दिनांक-22/09/2026
क्रमांक-का.से./2026-27/400		
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संभाग क्रमांक- 11 वार्ड क्रमांक- 67 (रानी अवंतीबाई बाई) अर्थात् मोजा /ग्राम कठियाघाट नं.बं. 506 व.हं.नं. 27 (नया 24) खसरा नं. 35 रकबा 0.0735 हेक्टर एक खसरा नं. 71/1 रकबा 0.8600 हेक्टर इस प्रकार कुल रकबा 0.933509 हेक्टर (9335.09 वर्गमीटर) में से 9111.52 वर्गमीटर भूमि पर आवासीय भूखंडों विकास अनुमति (NAVKAR PARISAR) की अनुमति हेतु मेसर्स श्री बेदी बिल्डकॉन प्रा. लि. द्वारा प्लॉट नं. श्री किष्ण प्रकाश राजपूत पिता श्री बलवीर सिंह राजपूत पिता- मं.नं. 61/5, नानापुर बं.ड, जबलपुर, विकासकर्ता/कालोनीइजर द्वारा कालोनी विकास अनुमति प्राप्त करने के लिए निम्नादि विकास अनुबंध अनुसार विकास कार्य के विरुद्ध निगम पक्ष में बंधक रखी गई संवित का विवरण निम्न है :-		
बंधक सम्पत्ति का विवरण - भूखंड क्रमांक 1 से 5, 19 कुल 06 नग कुल क्षेत्रफल 703.56 वर्ग मीटर		
अंतः -सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त दर्शित संवित /भूखंडों का क्रय विक्रय कालोनी विकासकर्ता द्वारा नगर निगम से विकास कार्य पूर्णतः प्रमाण पत्र एवं बंधक मुक्ति करने के पूर्व न किया जावे उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी एवं विवरण तथा अभिन्यास का अद्यतन कार्यालयीय कार्य दिवस में नगर पालिक निगम जबलपुर कालोनी सेल तक प्रश्न क्रमांक 5 में किया जा सकता है ।		
प्रभाती कालोनी सेल, नगर पालिक निगम, जबलपुर		

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.142/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रविन्द्र कुमार अवस्थी पिता श्री कमल किशोर अवस्थी ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रं. प्लॉट नं. ई-1 ख.नं. 394/1/12 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 100390329 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2033 व.फु. भूमि (खुली भूमि) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र, दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति 1. सरिता पाठक पति श्री राजेश पाठक 2. श्री राजेश पाठक पिता श्री महेन्द्र नाम पाठक का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.127/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्री राजेश कुमार पटेल 2. श्रीमति हेमा पटेल पति राजेश पटेल पिता स्व. राजेश प्रसाद पटेल ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास राहणी के भवन क्रं. प्लॉट नं. 15 लक्ष्मी गाँवठा पणिरया सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003806137 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1000 व.फु. भूमि (खुली भूमि) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र, दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति कुन्नी बाई यादव पति श्री लक्ष्मण यादव का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.133/2026-27	दिनांक 23/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र कुमार प्रधान पिता श्री प्रसन्न कुमार प्रधान ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. -503 ब्लॉक A कठारिया थीम पार्क हिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000381732 पर निर्मित पाँचवा तल 1200 वर्गफुट (RCC PAKKA) विक्रय पत्र के दानपत्र/शपथपत्र/मृत्युप्रमाण पत्र/विक्रय पत्र/ वसीयतनामा / त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती पद्मवी मिश्र पति श्री उदय रक्ताले का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.143/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति सुनीता राजकु पति श्री प्रमोद राजकु ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रं. 2455/4 घोडीघाट मणिया, जबलपुर सम्पत्ति के पिन क्रमांक 100387091 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल...वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1300 व.फु. आरसीसी पक्का पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र, दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री राजकुमार राहणी पिता स्व. श्री बदामीलाल मावली का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.114/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विनय कुमार विश्वकर्मा श्री स्व. रामविशाल विश्वकर्मा ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास राहणी के पिन क्रमांक 1000364187 पर जिस निर्मित भूतल 946 व.फु. (कच्चा) पर शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री रामविशाल विश्वकर्मा पिता खुशीलाल विश्वकर्मा का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.150/2026-27	दिनांक 23/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कुमारी अश्विनी पिता श्री नीलेश कुमार तिवारी ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 1144 बी, वलासिक अपार्टमेंट पंचवटी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400453 पर निर्मित भूतल 605 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती जसवीर सिंह पिता/पति सतपाल सिंह का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.130/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति मुकेश अग्रवाणी कार्या पिता श्री जगत कार्या ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रं. मकान नं. 1057/8/1 भाडल टाउन बिल्हरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000368660 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल...वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 600 व.फु. (आरसीसी पक्का) धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.126/2026-27	दिनांक:- 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 1. केवलराम राजकु पति श्री बुधिया राजकु 2. श्रीमती मीनम मंगा पति श्री केवलराम राजकु ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम ईश्वरदास राहणी के भवन क्रं. ख. नं. 161/31, 162/31 किशन मोहन, पिपरवा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000363238 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2400 व.फु. भूमि (खुली भूमि) जिस पर निर्मित भूतल 1150 व.फु. (आरसीसी पक्का) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र, दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री पुरुषोत्तमलाल कोल पिता श्री सुख लाल कोल का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.107/2026-27	दिनांक 08/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मानस अरसानी पिता राजेश अरसानी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक ख.नं. 262/9 प्राप्ति नगर राजुल पार्क सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000382192 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2907 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र/ शपथपत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र/ विक्रय पत्र/ वसीयतनामा / त्यागपत्र / रिलीज डीड / बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री जान फिलिप पिता जार्ज फिलिप का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तित किये जाने पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.113/2026-27	दिनांक:- 22/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र कुमार नाराणी पिता स्व. गुरुमल्ल नाराणी ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रं. प्लॉट नं. 100 फेस-3 राजुल सिटी बिल्हरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004333047 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल/ 1240 व.फु. खुली भूमि पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र, दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री दीपक कुमार बाल्मीकि पिता श्री तुरसीदास का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11, नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.138/2026-27	दिनांक 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)बॉ. शिथिर चंद जेठी पिता श्री जे. सी. जेठी (2)श्रीमति रश्मि जेठी पति श्री एस.सी.जेठी ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम पं. जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक म.नं. प्लॉट नं. 3/1 ब्लॉक नं. 14 नया प्लॉट नं. 3/16 समीक्षा टाउन सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000428220 पर निर्मित भूतल 1250 वर्गफुट (RCC PAKKA), प्रथम तल 1200 वर्गफुट (RCC PAKKA), द्वितीय तल 1200 वर्गफुट (RCC PAKKA) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र/शपथपत्र/मृत्युप्रमाण पत्र/विक्रयपत्र/ वसीयतनामा/ त्यागपत्र / रिलीज डीड / बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती अनीता दिवेदी पति श्री दीपक दिवेदी का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.124/2026-27	दिनांक 23/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति क्रांति बाई अहिरवार पति श्री रानी लक्ष्मी अहिरवार का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग	क्रमांक 05 , नगर निगम, जबलपुर	पत्र क्रं./सं.कं.5/2026-27/58	दिनांक:- 22/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रतन लाल अग्रवाल पिता स्व. श्री पन्नालाल अग्रवाल ने भवन क्र. 40 वार्ड वसीयतनाम/खसरा माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा पिन नं. 41400109/1000390616 पर जिस किसी को भी उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 05 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी	संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर	पत्रांक-सं.कं.137/2026-27	दिनांक 21/09/2026
भवन नामांतरण सूचना			
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)बॉ. शिथिर चंद जेठी पिता श्री जे. सी. जेठी (2)श्रीमति रश्मि जेठी पति श्री एस.सी.जेठी ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम पं. जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक म.नं. प्लॉट नं. 3/1 नया प्लॉट नं. 2/2, 3/1 का भाग फेस - 02 समीक्षा टाउन सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000428672 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 750 वर्गफुट (RCC PAKKA) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र/शपथपत्र/मृत्युप्रमाण पत्र/विक्रयपत्र/ वसीयतनामा/ त्यागपत्र / रिलीज डीड / बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री दीपक दिवेदी पिता श्री आर.आर.दिवेदी का नाम हटायो जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।			
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर			

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
 पत्रांक-सं.कं. 149/2026-27 दिनांक 23/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता
 1) श्रीमती ऐश्वर्या राज कुजूर पति स्व. श्री कैलान्त
 कुजूर 2) श्रीमती रश्मि कुजूर पिता स्व. श्री कैलान्त
 कुजूर 3) श्री अरुण कुजूर 4) श्री कैलान्त कुजूर
 वासी क्रमांक 67 बाई को नाम नगर अस्ती बाई के भवन
 क्रमांक सं.नं.-5 अंजीनी अभिनवत कालोनी पुर
 नगर सम्यक्त के पिन क्रमांक 1000380725 पर भूमि
 का क्षेत्रफल 1510 वर्गफुट पिता पर निर्मित भवन
 926 वर्गफुट मुद्रा मुद्रा प/विद्युत प/के आधार
 पर नाम में दर्ज स्व. श्री कैलान्त कुजूर पिता
 इलियस कुजूर का नाम हटायें जाने एवं आवेदक
 नाम से नाम परिवर्तित किया जाने पर जिस किसी
 भी उस नाम पर भवन पर आपत्ति हो तो इस प्रकार
 की लिखि सो दैन के अंदर कार्यालय सम्भाग
 क्रमांक-11, राजा गोकुलदास परशाला नगर निगम
 जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
 संभाग क्र. 11
 नगर निगम, जबलपुर

संस्कृत के विद्यार्थी भी अब कर सकेंगे बीएएमएस, बनेंगे आयुर्वेदाचार्य

हरिद्रा। ग्राम औरंगाबाद, हरिद्वार में विश्व के पहले आयुर्वेद गुरुकुल- पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम, हरिद्रारम का उद्घाटन उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व यज्ञ-मंत्रोच्चार के साथ ध्वन्तरि वंदना की गई। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों व विद्वानों को विश्व आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम के शुभारंभ के साथ-साथ उत्तराखण्ड की देवभूमि से देश व पूरी दुनिया का इतिहास लिखा गया है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के विद्यार्थी भी अब बीएएमएस में सीधे प्रवेश पा सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम की शुरूआत हमारी गौरवशाली सनातन परम्परा को आधुनिक ज्ञान व आधुनिक युग से जोड़ने की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल वह स्थान है जहाँ पुस्तकों के ज्ञान के साथ-साथ यह भी सिखाया जाता है कि जीवन कैसे जीया जाए, जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए, स्वयं को आगे बढ़ाकर दूसरों को कैसे आगे बढ़ाया जाए। गुरुकुलों में शिक्षा के साथ संस्कार, ज्ञान के साथ अनुशासन और बौद्धिक विकास के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर भी बल दिया जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि निश्चित ही पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त व प्रभावी माध्यम बनेगा।

इस अवसर पर स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम के उद्घाटन

- ▶ निश्चित ही पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त व प्रभावी माध्यम बनेगा : उत्तराखण्ड मुख्यमंत्री
- ▶ पूरे विश्व में आयुर्वेद की प्रतिष्ठा का हमारा संकल्प सिद्धि तक प्राप्त होगा : स्वामी रामदेव
- ▶ आयुर्वेद गुरुकुलम भारत सरकार व प्रधानमंत्री मोदी जी की तरफ से देश ही नहीं अपितु पूरे विश्व को एक देन है : आचार्य बालकृष्ण

के बाद अब विश्व इतिहास में पहली बार संस्कृत के विद्वान भी अब बीएएमएस कर सकेंगे। पतंजलि योगपीठ ने विश्व आयुर्वेद दिवस पर विश्व का पहला आयुर्वेद गुरुकुलम स्थापित कर आयुर्वेद परम्परा की एक नई प्रतिष्ठा की है। स्वामी जी महाराज ने कहा कि महर्षि चरक, सुश्रुत, धन्वन्तरि, वाग्भट्ट, अग्निवेश तथा हमारे महान प्राचीन महर्षियों ने आयुर्वेद की प्रतिष्ठा तो अथर्ववेद से ही कर दी थी, परंतु अभी तक यह व्यवस्था नहीं थी कि संस्कृत के विद्यार्थी बीएएमएस कर सकें।

उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने यह बड़ा कार्य करके दिखाया है कि अब संस्कृत का विद्यार्थी, वेदों का विद्वान भी आयुर्वेदाचार्य (बीएएमएस) बन सकता है। आयुर्वेद की प्राचीन परम्परा के साथ आधुनिक विज्ञान को जोड़कर एक नया अभियान आज पतंजलि से प्रारंभ हुआ है जिससे पूरे विश्व में आयुर्वेद की प्रतिष्ठा का हमारा संकल्प निश्चित ही सिद्धि तक प्राप्त होगा। स्वामी जी ने कहा कि एलोपैथी की सीमाएँ हैं, मॉडर्न मेडिकल साइंस में लिवर फेल्थोर के लिए में कोई दवा नहीं है। पतंजलि ने लिवोप्रिट बनाकर पूरी दुनिया के लिए यह कार्य करके दिखाया है कि



फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस ठीक हो सकता है। उन्होंने कहा कि रीनोग्रिट का प्रयोग करेंगे तो किडनी ट्रांसप्लांट नहीं कराना पड़ेगा। श्वासारि तथा ब्लॉकॉम श्वास व फेफड़ों के रोगों में कारगर औषधि हैं। कार्डियोग्रिट व हृदयामृत के प्रयोग से पेसमेकर की समस्या से मुक्ति मिल रही है। आई ग्रिट व ईयर ग्रिट ऑख व कान के रोगों में तथा मेमोरिग्रिट व मेधावटी मस्तिष्क रोगों में अत्यंत गुणकारी है।

कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि स्वामी जी शब्दों को अपने कार्यों के रूप

में परिणित करते हैं, उसका ही परिणाम यह प्रथम आयुर्वेद गुरुकुल है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पतंजलि का नहीं अपितु आयर्वेद का है, हम सबका है, क्योंकि आयुर्वेद हम सबका है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जब आयुर्वेद की वैश्विक प्रतिष्ठा होगी तो इसका श्रेय भी हम सबका साझा होगा।

आचार्य जी ने कहा कि केंद्र सरकार ने संस्कृत के विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक चिकित्सक बनने का अवसर प्रदान करते हुए विशेष मान्यता प्रदान की है जिसके अन्तर्गत केंद्रीय संस्कृत

विश्वविद्यालय (सीएसयू) तथा नई दिल्ली भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (NCISM) के साथ मिलकर पारंपरिक गुरुकुलम पद्धति पर आधारित बीएएमएस पाठ्यक्रम प्रारंभ किया है।

उन्होंने कहा कि गुरुकुल व आयुर्वेद महाविद्यालय तो हमने बहुत सुने थे किन्तु आयुर्वेद गुरुकुलम शब्द भारत सरकार व प्रधानमंत्री मोदी जी की तरफ से देश को ही नहीं अपितु पूरे विश्व को एक देन है जो संस्कृत के प्रति उनकी निष्ठा, हमारे सनातन और आयुर्वेद की जड़ों से जुड़ी उनकी भावना को प्रदर्शित करता है। अभी सरकार की ओर से केवल जीवो जारी हुआ है और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को इसके लिए नियोजित किया गया है। इस गुरुकुलम की रूपरेखा व अन्य औपचारिकताएँ केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय निर्धारित करेगा।

उत्तराखण्ड के माननीय आयुष मंत्री श्री मदन कौशिक ने कहा कि यह वास्तव में प्रदेश का सौभाग्य है कि भारत ही नहीं पूरे विश्व में पहली बार एक ऐसे संस्थान का प्रारंभ हो रहा है जिसकी भारत सरकार ने अभी मात्र घोषणा की है, लेकिन घोषणा के तुरंत बाद यदि किसी ने इस कार्य की धरातल पर उतारा है तो वे स्वामी

रामदेव जी महाराज तथा आचार्य बालकृष्ण जी महाराज हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड के सभी हॉटल, धर्मशालाओं में पतंजलि वेलेनसे सेंटर स्थापित करने का आग्रह किया।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष श्री एन.पी. सिंह ने कहा कि यह अद्भुत प्रयोग है कि 10वीं कक्षा के बाद 7.5 साल का कोर्स करके चिकित्सकीय पद्धति से विद्यार्थी का व्यक्तित्व व दक्षता आप्लावित होगी तो वे स्वाभाविक रूप से आयुर्वेद के स्वास्थ्य की मूलभूत अवधारणा को विश्व में ले जाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री, स्वामीजी व आचार्य जी के सपनों को साकार करेंगे।

इस अवसर पर पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम की वेबसाइट व पुस्तिका का लोकार्पण भी किया गया। क्षेत्र के ग्राम प्रधानों द्वारा माल्यार्पण कर मुख्यमंत्री जी का विशेष अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बीएचईएल-रानीपुर विधायक श्री आदेश चौहान, ज्वालापुर विधायक इंजीनियर रवि बहादुर, पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम के प्रथम प्राचार्य डॉ. केतन महाजन, आचार्य स्वाति आर्या, पतंजलि संस्थान के वरिष्ठ अधिकारीगण, भाजपा संगठन से ओमप्रकाश जमदग्नि, शोभाराम, आदेश सैनी, अजीत चौधरी, श्यामवीर सैनी, रूडकी मेयर अनीता अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, डॉ. मधु सिंह, बिंदर पाल, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, गौरव कौशिक, मनोज गौतम, नृपेंद्र चौधरी, लव शर्मा, चौधरी राजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

यू ट्यूब व्यूज के चक्कर में 9 साल के बच्चे ने फ्रूक डाले 1 करोड़ रुपए, दांव पर लगी पिता की नौकरी

लंदन। एक 9 साल के बच्चे ने अपने यूट्यूब चैनल पर व्यूज और सब्सक्राइब्स बढ़ाने के चक्कर में ऐसा कारनामा कर दिया, जिसने उसके पिता को सड़क पर आने की नौबत तक पहुंचा दिया है। बच्चे ने अनजाने में अपने पिता की कंपनी के क्रेडिट कार्ड से विज्ञापनों पर 1 लाख 18 हजार डॉलर (करीब 1.13 करोड़ रुपए) खर्च कर डाले। इस पूरे मामले का खुलासा खुद बच्चे के पिता डेव ने अपने बेटे के यूट्यूब चैनल माइटी माइक प्लेज पर एक वीडियो डालकर किया है। मार्केटिंग का काम करने वाले डेव ने बताया कि उनका 9 साल का बेटा माइक माइनक्राफ्ट और रोब्लॉक्स जैसे गेम खेलकर यूट्यूब पर डालता था। जब माइक के वीडियो पर व्यूज नहीं आ रहे थे, तो डेव ने उसकी खुरी के लिए अपनी कंपनी के कार्ड से 20 डॉलर (करीब 1900 रुपए) का एक छोटा सा विज्ञापन चला दिया। पिता को यह ऐड लगाते देख माइक ने पूरा प्रोसेस ध्यान से देख लिया।

ज्यादा पैसा मतलब ज्यादा व्यूज

पिता के गुनाह अकाउंट में कंपनी का कार्ड पहले से सेव था और उस पर कोई लिमिट या पैरेंटल कंट्रोल नहीं लगा था। माइक ने अपने बाल मन में सोचा कि 'ज्यादा पैसा लगाने से ज्यादा व्यूज आएंगे'। उसने खुद ही ऐड सेट किए और बिना किसी रोक-टोक के लगातार कैंपेन चला दिए।

चैनल पर लगा ब्रेक

डेव ने इस वीडियो में अपनी गलती मानते हुए कहा कि उन्हें अपने काम के अकाउंट में कंपनी का कार्ड सेव करके वहीं रखना चाहिए था और पैरेंटल कंट्रोल लगाना चाहिए था। फिलहाल डेव की नौकरी पर तलवार लटकी हुई है और उन्हें डर है कि कहीं यह करोड़ों का बिल उन्हें अपनी जेब से व भरना पड़े।

राशिफल

मे़ष
संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष
खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन
शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियाँ बन सकती हैं।

कर्क
क्रोध एवं आदेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह
कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या
कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से घन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला
लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक
संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेगे।

धनु
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर
आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ
क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन
किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति संवेत रहें।

संयुक्त परिवार 100 कमरों का घर, 39 पत्नियां, 94 बच्चे...

आइजोला। आज जब संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और लोग नौकरी, पढ़ाई या बेहतर जीवन की तलाश में अलग-अलग शहरों में बस रहे हैं, तब भारत के एक गांव में ऐसा परिवार भी है जो अब भी एक साथ रहने की मिसाल बना हुआ है। हम बात कर रहे हैं मिजोरम के बक्तावंग गांव में स्थित चाना के परिवार की, जिसे दुनिया के सबसे बड़े परिवारों में गिना जाता है। इस परिवार के सदस्यों की संख्या 40...50...100...150 नहीं, बल्कि 200 है। किसी आम परिवार की तरह यहां सिर्फ माता-पिता और बच्चे नहीं रहते थे। इस परिवार में 39 पत्नियां, 94 बच्चे, 14 बहूएं, 33 पोते-पोतियां और कई अन्य सदस्य शामिल थे। सोचिए, जिस घर में शादी-ब्याह के दौरान 30-40 मेहमानों के आने पर व्यवस्था संभालना मुश्किल हो जाता है, वहां रोजाना सैकड़ों लोग एक साथ रहते, खाते और जीवन बिताते थे। यही बात इस परिवार को दुनिया के बाकी परिवारों से अलग बनाती है।

मिजोरम के बक्तावंग गांव में स्थित चाना का परिवार दुनिया के सबसे बड़े परिवारों में गिना जाता है। इस परिवार में 200 के करीब सदस्य एक साथ रहते हैं। परिवार के मुखिया की साल 2021 में मौत हो चुकी है। **एक धार्मिक समुदाय से शुरू हुई असाधारण कहानी** : इस परिवार की कहानी सिर्फ संख्या की कहानी नहीं है। इसकी शुरूआत 1942 में हुई थी, जब आंगतुआहा ने लालपा कोहरान थार नाम के धार्मिक समुदाय की स्थापना की। 1997 में पिता की मृत्यु के बाद जिओना चाना इस समुदाय के प्रमुख बने और उन्हें 'हप्पा' यानी नेता कहा जाने लगा। उनके नेतृत्व में यह परिवार और समुदाय दोनों तेजी से बड़े। साल 2021 में जिओना चाना की मौत हो गई, लेकिन आज की तारीख तक ये परिवार एकजुट है और पहले जैसी ही व्यवस्था का पालन कर रहा है।

परिवार ही नहीं, खुद का इकोसिस्टम भी बनाया

इस विशाल परिवार की एक और अनोखी बात यह है कि उसने अपने लिए अलग व्यवस्था खड़ी कर ली है। परिवार अपनी जरूरत की फसल खुद उगाता है। पशुपालन करता है। फर्नीचर बनाने और एल्युमिनियम के बर्तन तैयार करने जैसे काम भी परिवार के सदस्य ही करते हैं। जिओना चाना ने अपने बच्चों के लिए स्कूल तक स्थापित किया था। स्कूल में सरकारी पाठ्यक्रम के साथ समुदाय से जुड़े विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यही वजह है कि यह परिवार सिर्फ बड़ा नहीं है, बल्कि काफी हद तक आत्मनिर्भर भी है।

100 कमरों का ऐसा घर, जो किसी हॉस्टल से कम नहीं

बक्तावंग की पहाड़ियों के बीच बना 'कोहरान थार नाम रन' नाम का चार मंजिला मकान पहली नजर में किसी हॉस्टल या छोटे होटल जैसा लगता है।

घर में करीब 100 कमरे हैं और बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए अलग गेस्ट हाउस भी बनाया गया था। यही मकान आज मिजोरम के सबसे चर्चित पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां पहुंचने वाले पर्यटक अवसर यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि एक परिवार के लिए इतना विशाल दांचा कैसे बनाया गया और आज भी उसका इस्तेमाल कैसे हो रहा है। दिलचस्प बात यह है कि घर के अंदर भी एक तय व्यवस्था है। रिपोर्टर्स के मुताबिक, बड़ी उम्र की पत्नियां ऊपर के हिस्से में रहती हैं, जबकि कुछ युवा पत्नियां निचली मंजिलों पर रहती थीं। घर के भीतर जिम्मेदारियों का ऐसा बंटवारा है कि इतनी बड़ी आबादी के बावजूद व्यवस्था बिखरती नहीं थी।



इस परिवार की रसोई ही सबसे बड़ा है अजूबा

अगर किसी घर में 10 मेहमान आ जाएं तो रसोई का बजट और मेहनत दोनों बढ़ जाते हैं। लेकिन करपा ना कीजिए उस रसोई की, जहां रोजाना दर्जनों नहीं, बल्कि

सैकड़ों लोगों के लिए खाना तैयार होता है। परिवार के लिए रोजाना 45 से 90 किलोग्राम तक चावल, करीब 40 किलोग्राम आलू, 25 किलोग्राम सब्जियां और 20 किलोग्राम दाल इस्तेमाल की जाती हैं। मांसाहारी भोजन के लिए 30 से 35 मुर्गों तक की जरूरत पड़ती है। खाना बनाने के लिए बड़े एल्युमिनियम के बर्तन, बड़े चूल्हे और टीमवर्क का सहारा लिया जाता है। घर की बहूएं खाना बनाती हैं, बेटियां सफाई और कपड़ों का काम संभालती हैं, जबकि पुरुष खेती, पशुपालन, बड़ईगिरी और छोटे उद्योगों में लगे रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो यह परिवार किसी छोटे गांव की तरह आत्मनिर्भर व्यवस्था पर चलता है।

शब्द पहेली - 6357

1	2	3	4	5	6	7
			8			9
10		11				
12		13		14		15
				16		
19	20		21		22	23
				24		
26				27		28
				29		30
31	32		33			34
35						36

बाएँ से दाए

- धरोहर, थाती-4
- अकबर के नवतलों में से एक-4
- गुणगान-3
- प्रेम (अंग्रेजी-2)
- भरोसा, विश्वास-3
- डुःख, परेशानी, कष्ट-4
- हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
- गागर, घड़ा-3
- जोध-2
- असावधान-5
- कर्तूत, होशियारी-5
- डूबा हुआ, समाप्त-2
- तीक्ष्ण, तेज-3
- अधर्म, अपकृत्य-2
- मनमौजी, चंचल-4
- हत्या, वध-3
- पंख-2
- मायका-3
- व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
- कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

- फूलों का हार-2
- वेश्या, कोटे पर नाचनेवाली-4
- शांति, सुख-चैन-3,2
- अस्वस्थ, मरीज-3
- दम, ताकत-2
- भगवान राम के पुत्र-2,2
- उन्मत्त, मदमस्त-4
- दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
- बोलने का तरीका-3
- रास्ता-2
- पराया-2
- परीक्षा-3
- वचन-2
- खेती-2
- अभिमान-3
- फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान

खान की मां-2,2

- बलपूर्वक उठा ले जाना-5
- ईश्वर, राजा-4
- मन को अच्छा लगाने वाला-4
- शाप से पीड़ित-3
- अवकाश, मंजूरी-2
- संध्या-2

शब्द पहेली- 6356 का हल

स	ज	क़	मां	र	म	को	ह	र
दो	र	लो	ख	न	न	ल	बा	
ल	ज	अ	व	र		न	ल	या
त	न	य		खा	र	की	म	त
खा	दा	ना	व	ड	वा			
न	र	द	नु	नी	य	र	बा	री
श	को	का	क	भ	हा	प	न	की
भ	र	ना	स	धा	मा	हि	र	
म	को	का	क	भ	हा	प	न	की
न	न	त	ना	व	ह	दा	द	
क	म	जो	र	न	ग	र	वा	सी

सबसे खतरनाक जगह!

जहां जाने वाला कभी

नहीं लौटकर आता

नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी जगहें, जिन्हें बेहद खतरनाक माना जाता है। इन जगहों पर जाने वाले इंसान का जिंद लौटकर आना मुश्किल होता है। भारत में भी एक ऐसी खतरनाक जगह है। यह जगह उत्तरी सेंटिनल द्वीप है, जो समुद्र के बीच घने जंगलों से घिरा है। अंडमान-निकोबार के सेंटिनल द्वीप पर दुनिया के सबसे अलग-थलग लोग रहते हैं, जो सेंटनेलीज आदिवासी हैं। इन आदिवासियों का अभी तक आधुनिक दुनिया से संपर्क नहीं हो सका है।

इस द्वीप पर रहने वाली सेंटनली जनजाति आज भी शिकार करके अपना पेट पालती है। इनका इतिहास रहा है कि धनुष और बाण का इस्तेमाल करके घुसपैठियों को भगाते हैं। उत्तरी सेंटिनल द्वीप पर रहने वाली सेंटनली जनजाति दुनिया से दूर रहती है। स्थानीय प्रशासन ने जनजाति को संरक्षित करने के लिए इस द्वीप के चारों तरफ 5 किलोमीटर के इलाके को प्रतिबंधित कर रखा है।

संपर्क करना गैरकानूनी

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2004 की सुनामी के बाद, सेंटनलीज की जनकरी हरिश्ल करने के लिए जब हेलीकॉप्टर भेजे गए तो उन आदिवासियों ने उन पर भी तौर चलाया था। सेंटिनल द्वीप पर जाने वाले लोगों को सेंटनलीज आदिवासियों ने तीर से छक्की कर मार दिया। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक मिश्रकरी ने कुछ साल पहले आदिवासियों से चोरी-छुपे किनारे की कॉशिश की, लेकिन द्वीप पर उतरते ही चाकू नाम के मिश्रकरी पर आदिवासियों ने तीरों की बौछार कर दी।

बेचना है

बेचना है - बिलासपुर सकरी मेन रोड से ठीक पीछे आवासीय या व्यावसायिक उपयोग हेतु 22000 वर्गफुट हॉस्पिटल, अपार्टमेंट, प्लेट, रेस्तरांट के लिए उपयोगी टुकड़ों में या एकमुश्त बेचना है सम्पर्क करें 7898855268 (बिलासपुर/05/ अक्टू.)

सूडोकू नवताल - 6367									

	8			6					
					5				
	9					7		3	
	1			8					2
				7		4			
6				3				8	
5	7					4			
				8					
				1		6			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं।

■ प्रत्येक आड़ो और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल - 6366 का हल									
9	4	5	3	1	8	7	6	2	
1	8	6	7	2	5	4	9	3	
2	7	3	9	4	6	8	1	5	
6	3	9	1	7	4	2	5	8	
5	2	4	8	9	3	6	7	1	
7	1	8	6	5	2	9	3	4	
4	6	7	5	8	1	3	2	9	
8	9	1	2	3	7	5	4	6	
3	5	2	4	6	9	1	8	7	

जबलपुर, गुरुवार
24 सितंबर 2026

Acne Clear Cream



Since 1954
DR. BABER

पूर्णतः आयुर्वेदिक, स्वदेशी एवं ईमानदार क्रीम याने

मुँहासों के लिए **वरदान**



CLINICALLY TESTED

कॉलेजियन®

60 सालों से युवाओं की स्किन केयर, 12 गुणों का विशाल भंडार

क्रीम

AN ISO 9001 : 2008
Certified Company

MRP ₹124/-
Now ₹99/- Only
(20 g)

99 त. में
हमारा डेलेंज है...
कि पूरी दुनिया में कोई भी
इतनी कम कीमत में 12 गुणों
वाला इतना विरवरणीय क्रीम
नहीं दे सकता है सो आप एक
बार अवश्य वापस कर विरवार करें.

WOW!
पावर ग्लोसा GLOW... डीकव

NO SIDE EFFECTS

अमर आप चाहते हैं खुबसूरत चेहरा तो आप
आज ही केवल एक ट्यूब कॉलेजियन क्रीम ले
आएं, फिर देखें कि कुछ ही दिनों में आपके
चेहरे पर बिछार एवं खुरबसूती। दुनिया भर
की देशी या विदेशी कंपनियों की कई क्रीम
या फेशियल के कई साधन वापस या फिर
केवल एक ट्यूब कॉलेजियन क्रीम वापस।
सादी के पहले केवल तीन बार तक
कॉलेजियन क्रीम का उपयोग लगातार करें
और अपने अंदर एक नया खूबसूरत बदलाव
देखें। स्वयं ही परिणाम देखें आप किवा हो
जाएंगे।

कॉलेजियन
the Original
collegian
Cream
the Original
Acne Clear Cream
the Original
Acne Clear Cream
the Original
Acne Clear Cream

केवल ट्यूब ही लें

आप अपने परिवार के सिरे केवल 1 ट्यूब कॉलेजियन क्रीम की अवश्य ले जायें।
क्योंकि ऐसी चीज़ें बनाई नहीं जाती है बल्कि बरदान के रूप में बन जाती है।

Available at
amazon.in

Fliptart

www.collegiancream.com
Email : collegiancream777@gmail.com

Bliss for Acne Prone Skin
Get Down the Glow. And for Freckles
Best Skin Care Partner

CUSTOMER CARE
99260540001

कॉलेजियन में आपका जो कोणका
बायाम पत्रो ब्याव।
An all purpose,
all season cream for all
ages with proven results
(Men, Women & New Born)

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में एजेन्सी देना है
केवल होलसेल मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए
संपर्क - 78708 33333

कृपया ध्यान दें: कंपनी का केवल ट्यूब में ही आता है।
नकल या मिलाता-जुलता नाम प्रिंट करना/कलहाना/बेचना/खरीदना अपराध है। सजा निश्चित होगी।

सभी मेडिकल/जनरल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

Dr. Juneja's®

पेट सफा

पेट सफा

20% EXTRA

पेट सफा

TABLETS

Natural Laxative Granules & Tablets

20% EXTRA

पेट सफा

TABLETS

Dr. Juneja's®

20% EXTRA

20% EXTRA

पेट सफा

TABLETS

20% EXTRA

पेट सफा

TABLETS

यदि आप कब्ज, गैस, एसिडिटी से परेशान हैं तो आज ही लीजिए 'पेट सफा' आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स/टेबलेट्स।
पेट सफा स्वाद में अच्छा है, मुंह में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं पड़ती, पहली रात से असर दिखाता है।

कब्ज से राहत

गैस से छुटकारा

एसिडिटी से आराम

No Side Effect

No added Sugar

Granules & Tablets

हाईकोर्ट ने पद रिक्त रखने के लिए निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपराधिक प्रकरण में ट्रायल कोर्ट से दोषमुक्त हो चुके अभ्यर्थी को पूर्व में दर्ज मामले के आधार पर पुलिस कांस्टेबल पद पर नियुक्ति से वंचित करने के मामले में अंतरिम राहत प्रदान की है। कोर्ट ने संबंधित पद को याचिका के अंतिम निर्णय तक रिक्त रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता छतरपुर निवासी अशोक अहीरवार की ओर से अधिवक्ता आकाश सिंघई ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए आवेदन किया था। निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उसके दस्तावेजों का सत्यापन भी किया गया। हालांकि, स्क्रीनिंग कमेटी ने उसके विरुद्ध पूर्व में दर्ज अपराधिक प्रकरण का हवाला देते हुए अस्थित्व निरस्त कर दिया। उक्त मामले में एक महिला ने शादी का झंसा देकर दुष्कर्म किए जाने के आरोप लगाए थे। संबंधित अपराधिक प्रकरण में सक्षम न्यायालय ने उसे दोषमुक्त कर दिया है। अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में असफल रहा। इसके बावजूद विभाग ने पुलिस सेवा के लिए अपेक्षित चरित्र एवं आचरण और मोरल कंडक्ट का हवाला देकर नियुक्ति से वंचित कर दिया। अधिवक्ता ने

अदालत से दोषमुक्त, फिर भी पुलिस कांस्टेबल की नियुक्ति रोकी

तर्क दिया कि केवल अपराधिक प्रकरण दर्ज होना नियुक्ति से इनकार का स्वतः आधार नहीं हो सकता। विशेषकर तब, जब अभ्यर्थी को अपराधिक न्यायालय से दोषमुक्त किया जा चुका हो। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उन निर्णयों का हवाला दिया, जिनमें दोषमुक्त के स्वरूप, आरोपों की प्रकृति और मामले के वास्तविक तथ्यों को नियुक्ति के प्रश्न पर महत्वपूर्ण माना गया है। प्रस्तुत तर्कों पर विचार के बाद हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए संबंधित पद को याचिका के अंतिम निर्णय तक रिक्त रखने का निर्देश दिया। विभाग को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है। अगली सुनवाई में विभाग का जवाब और नियुक्ति से संबंधित रिकार्ड सामने आने के बाद मामले के अन्य पहलुओं पर विचार किया जाएगा।

मामलों के निपटारे में देरी के लिए स्थगन ही जिम्मेदार नहीं, न्यायाधीशों व न्यायिक सुविधाओं की कमी भी प्रमुख कारण

हाईकोर्ट ने कहा- हर मामले के लिए एक समान प्रक्रिया संभव नहीं, व्यापक दिशा-निर्देश की मांग वाली जनहित याचिका का पटाक्षेप

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि लंबित मामलों के निपटारे में देरी का एकमात्र कारण अनावश्यक स्थगन नहीं है। न्यायाधीशों की कमी के अलावा न्यायालय कक्ष, आधारभूत सुविधाओं, मंत्रालयीन कर्मचारियों और रिक्त पदों की समस्या भी मामलों के निपटारे को प्रभावित कर रही है। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे व जस्टिस विवेक रुसिया की डिवीजन बेंच ने इसके साथ ही मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका का पटाक्षेप कर दिया। याचिकाकर्ताओं अधिवक्ता अनंद चावला एवं विद्या शंकर मिश्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक लालवानी ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न न्यायदृष्टांतों का हवाला दिया। उन्होंने अनावश्यक स्थगन, झूठे दावों, गलत

कुलपति के ज्ञापन लेने नहीं पहुंचने पर छात्रों ने हवा में फाड़कर उड़ाया

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मध्यप्रदेश छात्र संघ (एमपीएसयू) ने बुधवार को प्रदर्शन किया। अध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रसंघ चुनाव तत्काल बहाल करने की मांग की। छात्रों ने आरोप लगाया कि करीब नौ वर्षों से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। छात्रों ने कुलपति को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया, लेकिन उनके मौके

पर नहीं पहुंचने पर नाराज छात्रों ने ज्ञापन फाड़कर हवा में उड़ा दिया। प्रदर्शन के दौरान परीक्षा में देरी, गलत प्रश्नपत्र जारी होने, परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी व रिजल्ट में विलंब, डिग्री मिलने में देरी, शिकायतों के निराकरण में लापरवाही और जवाबदेही तय करने जैसे मुद्दे उठाए गए। एमपीएसयू ने संबल कार्ड योजना का लाभ नहीं मिलने और फीस के नाम पर कथित अतिरिक्त वसूली का आरोप भी लगाया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के 28 विभागों के मुकाबले केवल 17 नियमित शिक्षकों के होने का मुद्दा उठाते हुए शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग की। छात्रों

का कहना था कि लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने से विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी लोकतांत्रिक मंच नहीं मिल पा रहा है। प्रदर्शन में अभिषेक पाण्डेय, आर्यन बेंटिया, रंजपद कनोजिया, कृष्णा तिवारी, यश कनोजिया, निहाल यादव, तरुण विश्वकर्मा, आर्यन पीपरा, ऋतिक परोहा, सुमित सिंह, नमन शर्मा, अर्चित नेमा, अनोश, मोंटी जायसवाल, मयंक कुशवाहा, हर्ष तिवारी, सागर तिवारी, उत्कर्ष मिश्रा, अभिनव सिंह और राजशेखर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

स्टेट बार काउंसिल चुनाव

तीन माह बाद पूरी हुई मतगणना

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की लंबी मतगणना प्रक्रिया के बाद बुधवार को चुनाव की अंतिम तस्वीर सामने आ गई। करीब तीन माह तक चली मतगणना पूरी होने के साथ ही 18 निर्वाचित सदस्यों के नामों की

जबलपुर का दबदबा कायम, सात अधिवक्ता निर्वाचित-इंदौर से पांच और ग्वालियर-भिंड से तीन को मिली जीत

औपचारिक घोषणा कर दी गई। परिणामों में जबलपुर का दबदबा कायम रहा। यहां से सात अधिवक्ताओं ने जीत दर्ज की है। इंदौर के पांच और ग्वालियर-भिंड के तीन अधिवक्ता भी परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा उज्जैन, भोपाल और रीवा से एक-एक प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। निर्वाचित सदस्यों में राकेश सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार

सक्सेना, आरके सिंह सैनी, विवेक सिंह, संदीप मेहता, नित्यानंद मिश्रा, हितोषी जय हाडिया, नरेन्द्र कुमार जैन, डा. विजय कुमार चौधरी, मनीष तिवारी, अखंड प्रताप सिंह, जितेन्द्र कुमार शर्मा, गौरव मिश्रा, सुनील कुमार मिश्रा, नवीन शुक्ला, दिनेश कुमार शुक्ला, राशद सोहेल सिंहकी और शैलेन्द्र वर्मा शामिल हैं।

पांच महिला अधिवक्ताओं ने भी दर्ज की जीत : परिषद

निर्वाचन में पांच महिला अधिवक्ता भी निर्वाचित हुई हैं। इनमें अन्नू पटेल, प्रवीण तिवारी, प्रतीका पाठक, रश्मि ऋतु जैन और प्रतिभा वालिया शामिल हैं। परिषद की निर्धारित संरचना में दो महिला सदस्यों का चयन अभी शेष है। इन दोनों सदस्यों का चयन हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस द्वारा किया जाएगा। इसके बाद परिषद की निर्धारित संरचना पूर्ण होगी।

सरकारी वकील के बजाय निजी अधिवक्ता से याचिका, हाई कोर्ट की फटकार के बाद डीएफओ-रेंजर पर होगी विभागीय जांच

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सरकारी वकील उपलब्ध होने के बावजूद निजी अधिवक्ता से पुनर्विचार याचिका दाखिल कराने के मामले में सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल की बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर आफ फॉरेस्ट (पीसीसीएफ) शुभ रंजन सेन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सतना के संबंधित डीएफओ और रेंजर की भूमिका की विभागीय जांच कराकर

कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने 30 दिन में कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को होगी।

मामला सतना की वन समितियों में कार्यरत 25 मजदूरों के न्यूनतम वेतनमान से जुड़ा है। हाई कोर्ट ने 22 सितंबर 2022 को मजदूरों को न्यूनतम वेतनमान देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ पुनर्विचार

याचिका में निजी अधिवक्ता की सेवाएं लेने पर कोर्ट ने आपत्ति जताई। सुनवाई में यह भी सामने आया कि रेंजर को सेवानिवृत्ति से पहले निंदा जैसी हल्की सजा दी गई, जबकि तत्कालीन डीएफओ पर कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने मनमानी पर रोक की जरूरत बताई। पीसीसीएफ ने दोनों अधिकारियों की जांच का आश्वासन दिया।

एमएनएस अधिकारियों ने बाल निकेतन के बच्चों से किया आत्मीय संवाद

जबलपुर। मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के शताब्दी समारोह के समापन अवसर पर मिलिट्री हॉस्पिटल जबलपुर की एमएनएस अधिकारियों ने 22 सितंबर को नेपियर टाउन स्थित श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन का दौरा किया। कमांडेंट ब्रिगेडियर अनिमेष वत्स के मार्गदर्शन में आयोजित इस सामुदायिक सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के कल्याण और उनकी आवश्यकताओं में सहयोग करना था। कर्नल अनिला नायर, प्रिंसिपल मैट्रन सहित एमएनएस अधिकारियों ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनके साथ समय बिताया। अधिकारियों ने बच्चों के लिए सूखा राशन, स्टेशनरी, कपड़े और खिलौने सहित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई तथा नकद सहाय्य राशि भी प्रदान की। किराना और खाद्य सामग्री तथा कपड़ों की व्यवस्था कमांडेंट के सहयोग से की गई। बाल निकेतन के सचिव श्याम सुन्दर माहेश्वरी ने मिलिट्री हॉस्पिटल की इस संवेदनशील पहल के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बच्चों के प्रति अधिकारियों के स्नेह और सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम ने एमएनएस की सेवा, करुणा और मानवीय संवेदना की भावना को भी रेखांकित किया।

सोनल तिवारी बनीं विप्र सेना महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष

जबलपुर। विप्र सेना मध्यप्रदेश ने संगठन विस्तार के तहत श्रीमती सोनल तिवारी, धर्मपत्नी विजय कान्त तिवारी, को विप्र सेना महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जबलपुर नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष एडवोकेट धीरज तिवारी की अनुसंधान पर प्रदेश अध्यक्ष पं. रोहित नागर ने उन्हें यह दायित्व सौंपा। नियुक्ति पत्र में उनकी सामाजिक सक्रियता एवं विप्र समाज के प्रति योगदान की सराहना करते हुए संगठन को मजबूती देने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। विप्र सेना सेवा, संस्कार, सामाजिक एकता एवं समाजहित के उद्देश्य से गौ-सेवा, जरूरतमंदों की सहायता, अस्पतालों में सेवा, पौधारोपण तथा सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ महिला एवं युवा शक्ति को जोड़ने का कार्य करती है। सोनल तिवारी की नियुक्ति पर एडवोकेट धीरज तिवारी, सहिारा तहसील अध्यक्ष अनुराग तिवारी, मझौली तहसील अध्यक्ष श्रीमती रीना मिश्रा सहित संगठन पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा मजबूत होगा और महिलाओं की सामाजिक, शैक्षणिक एवं संगठनात्मक भागीदारी को नई दिशा मिलेगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) - 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) - 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240